# दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 320 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

सोमवार 23 फरवरी 2026 डाक-मंगलवार 24 फरवरी 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com



इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद

अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733


## प्रथमेश

### नेपाल में भीषण सड़क हादसा, त्रिशूली नदी में गिरी बस, 18 लोगों की मौत

काठमांडू,23 फरवरी (एजेंसी)। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में भीषण सड़क हादसा पेश आया है। यहां पोखरा से काठमांडू जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 6 महिलाएं और 12 पुरुष शामिल हैं। वहीं, 26 घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। दुर्घटना में शामिल लोगों में दो विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार हादसे के समय बस रात करीब 1 बजे पृथ्वी राजमार्ग के तहत पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी। इस दौरान बस अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 300 मीटर नीचे त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसे के समय बस में करीब 44 यात्री सवार थे, जिनमें से 18 लोगों की मौत हो गई जबकि 26 अन्य घायल हुए हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेश नागरिक भी शामिल हैं। ये दोनों न्यूजीलैंड के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू दल की टीमें मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। नाव की मदद से यात्रियों को करीब एक किलोमीटर नीचे तक लाया गया, वहां से उन्हें सड़क तक ऊपर चढ़ाकर एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। रात होने के कारण रेस्क्यू दल को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रेस्क्यू टीम ने 8 महिलाओं, 18 पुरुषों और एक बच्चे समेत 27 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती किराया।

# हाफिज सईद के संपर्क में था हैंडलर शब्बीर अहमद, आईएसआई कर रही थी फंडिंग

## आतंकी मॉड्यूल केस में बड़ा खुलासा

दिल्ली ,23 फरवरी (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आज सुबह एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान तमिलनाडु से 6 और पश्चिम बंगाल से 2 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कुछ के बांग्लादेशी नागरिक होने की भी जानकारी सामने आई है। फिलहाल सभी संदिग्धों से गहन पूछताछ की जा रही है। उनके कब्जे से कई मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं, जिनकी तकनीकी जांच की जा रही है।

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि इन संदिग्धों का कथित हैंडलर शब्बीर अहमद

लोन उर्फ शब्बीर शाह, मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी के संपर्क में था।

स्पेशल सेल के अनुसार, बांग्लादेश में बैठा लश्कर का यह मॉड्यूल भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को भर्ती करने में जुटी है और इसके लिए फंडिंग भी कर रही है। बताया जा रहा है कि शब्बीर अहमद लोन वर्ष 2007 से ही लश्कर प्रमुख हाफिज सईद और 26/11 हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल जकी-उर-रहमान लखवी के संपर्क में था। वर्ष 2007 में स्पेशल सेल द्वारा दिल्ली में उसकी गिरफ्तारी के दौरान भी इस तरह के संपर्कों के प्रमाण मिले थे।फिलहाल मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां अन्य संभावित कड़ियों की भी तलाश कर रही हैं।

# जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, एनकाउंटर में जैश से जुड़े दो आतंकी ढेर

श्रीनगर ,23 फरवरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के दूरदराज चटरू क्षेत्र में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो आतंकवादी मारे गए। सेना ने बताया कि दोनों आतंकी 'ऑपरेशन त्राशी-I' के तहत पासेरकुट इलाके में मार गिराए गए। उनके कब्जे से दो एके-47 राइफल सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस, इंटेलिजेंस ब्यूरो और अन्य खुफिया स्त्रोतों से मिले विश्वसनीय इनपुट के आधार पर किश्तवाड़ में संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों को चिन्हित कर उन्हें निष्क्रिय करना था।

सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि प्रारंभिक संपर्क के बाद काउंटर-इंटेलिजेंस फोर्स (सीआईएफ) डेल्टा की टुकड़ियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के साथ मिलकर रविवार सुबह करीब 11 बजे दुर्गम इलाके में आतंकवादियों से दोबारा मुठभेड़ की। सटीक रणनीति और समन्वित कार्रवाई के बाद सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल पर नियंत्रण स्थापित कर दोनों आतंकवादियों को मार गिराया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मारे गए दोनों आतंकी पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित जेईएम संगठन से जुड़े थे। वे पहाड़ियों की तलहटी में स्थित एक कच्चे मकान में छिपे हुए थे। सुरक्षाबलों की तलाशी टीम के नजदीक पहुंचते ही आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उन्हें ढेर कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान अभी जारी है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने चटरू के जंगल क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच लगभग आधा दर्जन मुठभेड़ें हुई थीं, जिनमें एक सैनिक और एक आतंकवादी मारा गया था। रविवार की कार्रवाई के साथ ही इस वर्ष जम्मू क्षेत्र में अलग-अलग अभियानों में सुरक्षाबलों द्वारा मारे गए जेईएम आतंकवादियों की संख्या छह हो गई है। इससे पहले उधमपुर में दो और कठुआ जिले में एक आतंकवादी को मार गिराया गया था।

# पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री मुकुल रॉय का निधन 72 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

कोलकाता ,23 फरवरी (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री मुकुल रॉय का निधन हो गया है। रात करीब 2.35 के आसपास निधन हुआ है। मुकुल राय 72 साल के थे। वे लंबे समय से कोलकाता के अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती थे। मुकुल रॉय पिछले कुछ महीनों से कोमा में थे। डॉक्टरों ने बताया कि अनुभवी टीएमसी नेता की मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई

है। पिछले कुछ सालों में स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण मुकुल रॉय सक्रिय राजनीति से दूर हो गए थे। डॉक्टरों ने 2023 की शुरुआत में पुष्टि की थी कि वे डिमेंशिया और पार्किंसंस बीमारी से जूझ रहे थे। इसके चलते उनके भूलने और शारीरिक क्षमताएं काफी हद तक प्रभावित हुई थीं।

टीएमसी में वे लंबे समय तक ममता बनर्जी के बाद नंबर-2 माने जाते थे। उन्हें पार्टी का क्राइसिस मैनेजर और रणनीतिकार कहा जाता था। वे चुनावी रणनीति बनाने, संकटों से निपटने और पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते थे।

# तेजस विमान के क्रैश के बाद आईएएफ का एक्शन, 30 लड़ाकू विमानों की उड़ान पर लगाई रोक

नई दिल्ली,23 फरवरी (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना में शामिल स्वदेशी निर्मित लाइट वेट कॉम्बैट फाइटर जेट तेजस एक बार फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस घटना की जांच की जा रही है। साथ ही वायुसेना ने व्यापक तकनीकी जांच करने के लिए 30 सिंगल सीटर तेजस विमानों के पूरे बेड़े पर फिलहाल उड़ान भरने से रोक लगा दी है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, भारतीय वायु सेना का एक तेजस लड़ाकू विमान इस महीने की शुरुआत में संदिग्ध ब्रेक फेल होने के बाद अग्रिम मोर्चे के एक एयरबेस पर रनवे से आगे निकल गया। जिससे उसकी बॉडी को भारी नुकसान पहुंचा। हालांकि हादसे में पायलट सीट इजेक्शन का इस्तेमाल कर सुरक्षित रूप से बाहर निकल आ गया।

जानकारी के मुताबिक, यह तेजस फाइटर जेट उस समय हादसे का शिकार हुआ, जब विमान प्रशिक्षण उड़ान भरने के बाद बेस पर लौट रहा था। सात फरवरी को हुई इस दुर्घटना पर भारतीय वायुसेना की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, तीसरे तेजस लड़ाकू विमान के क्रैश होने की घटना के बाद भारतीय वायुसेना ने बड़ा फैसला लेते हुए व्यापक स्तर पर तकनीकी जांच के आदेश जारी किए हैं। साथ ही जांच पूरी होने तक लगभग 30 'सिंगल-सीट' वाले तेजस लड़ाकू विमानों के पूरे बेड़े को उड़ान भरने से रोक दिया है। स्वदेशी निर्मित तेजस लड़ाकू विमान के दुर्घटना से जुड़ी यह तीसरी घटना थी, पहली दुर्घटना मार्च 2024 में हुई थी, जब जैसलमेर के पास एक तेजस फाइटर जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। दूसरी घटना दुबई एयर शो के दौरान नवंबर 2025 में हुई थी। जब भारतीय वायुसेना का अत्याधुनिक स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस एक प्रदर्शन उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। वायुसेना ने गहन जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश जारी किए थे।

# विष्णुदेव साय का यू-टर्न, होली पर खुली नहीं रहेंगी शराब दुकानें

रायपुर ,23 फरवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में शराब के शौकीनों के लिए बड़ी खबर है। राज्य की विष्णुदेव साय सरकार ने अपनी नई आबकारी नीति में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए होली को ड्राई डे की सूची से बाहर कर दिया है। अब 4 मार्च को होली के दिन प्रदेश की सभी देशी और विदेशी शराब दुकानें सामान्य दिनों की तरह संचालित होंगी। सरकार का तर्क है कि इससे त्यौहारों के दौरान होने वाली शराब की कालाबाजारी और अवैध बिक्री पर लगाम लगेगी।

30 जनवरी और मुहर्रम से भी हटा प्रतिबंध

नई नीति के तहत शासन ने वार्षिक शुष्क दिवसों की संख्या 7 से घटाकर केवल 4 कर दी है। अब शराब की दुकानें केवल गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त), गांधी जयंती (2 अक्टूबर) और गुरु घासीदास जयंती (18 दिसंबर) को ही बंद रहेंगी। पूर्व में लागू होली, मुहर्रम और 30 जनवरी (गांधी निर्वाण दिवस) को अब वर्किंग डे घोषित कर दिया गया है। आबकारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के अनुसार, बदलती परिस्थितियों और राजस्व प्रबंधन को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

पिछले अनुभवों से पता चला है कि ड्राई डे के दौरान अवैध शराब की मांग बढ़ जाती है, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती है। विनियमित बिक्री से निगरानी आसान होगी और सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी।

# तुरंत तेहरान छोड़ दें...अमेरिका की मिलिट्री की तैयारी के बीच भारत ने ईरान पर बड़ा अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली,23 फरवरी (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच संभावित न्यूक्लियर डील पर अगले दौर की बातचीत गुरुवार, 26 फरवरी को जिनेवा में होगी। खबर है कि इस तारीख को ओमान के विदेश मंत्री ने कन्फर्म किया है, जो स और ईरान के बीच बातचीत में बीच-बचाव कर रहा देश है। यह डेवलपमेंट मिडिल ईस्ट में अमेरिका मिलिट्री की मौजूदगी की वजह से दोनों देशों के बीच बढ़ते डिप्लोमैटिक तनाव के बीच हुआ है। अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ईरान को न्यूक्लियर डील के लिए सहमत होने के लिए 10-15 दिन का अल्टीमेटम दिया था और

चेतावनी दी थी कि ऐसा न करना देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण साबित होगा। इसके अलावा, ईरान की कुछ यूनिवर्सिटीज़, खासकर तेहरान और मशहद में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली ईरानी सरकार के खिलाफ नए प्रदर्शन सामने आए हैं, जहां रविवार को दूसरे दिन भी ऐसे विरोध प्रदर्शन हुए। क्षेत्रीय मध्यस्थ ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल बुसैदी ने कथित तौर पर कहा है कि ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर तेहरान और वाशिंगटन के बातचीत करने वालों के बीच गुरुवार को जिनेवा में बातचीत फिर से शुरू होने वाली है।

अमेरिकी मिलिट्री के अब मिडिल ईस्ट में 13 वॉरशिप तैनात हैं: एयरक्राफ्ट कैरियर स्स अब्राहम लिंकन, जो पिछले महीने के आखिर में पहुंचा था, नौ डिस्ट्रॉयर और तीन फ्रिगेट। जनवरी में अमेरिका और ईरान के बीच डिप्लोमैटिक तनाव तब बढ़ गया जब ट्रंप ने देश की घटती इकॉनमी के खिलाफ आवाज उठाने वाले प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के लिए ईरानी शासन की निंदा की और उसके खिलाफ कार्रवाई के लिए वोट किया।

# दिल्ली में मौसम का डबल अटैक! सुबह की गुलाबी ठंड के बाद दोपहर में सताएगी गर्मी, 'खराब' हवा ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली,23 फरवरी (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। सोमवार सुबह दिल्लीवालों ने हल्की ठंड महसूस की, लेकिन मौसम विभाग की चेतावनी ने स्पष्ट कर दिया है कि अब गर्मी अपने तेवर दिखाने के लिए तैयार है। एक तरफ जहाँ तापमान बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर दिल्ली की हवा में जहर (प्रदूषण) कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने की संभावना जताई है। सफदरजंग मौसम केंद्र में न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पालम में 13 डिग्री सेल्सियस और लोधी रोड में तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रहा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं। 'समीर' ऐप के अनुसार, दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 207 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। दिल्ली के 26 निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में थी जबकि 13 केंद्रों पर यह 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 'समीर' ऐप के अनुसार, एक केंद्र का एक्यूआई डेटा उपलब्ध नहीं था। अन्य सभी केंद्रों में से आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सबसे खराब रही, जहां एक्यूआई 276 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच 'एक्यूआई' को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

# धर्मांतरण के खिलाफ विधायक भावना बोहरा की पहल, संस्कृति गौरव सम्मेलन में 165 लोगों ने की घर वापसी, विधायक ने पैर पखारकर किया स्वागत

कवर्धा,23 फरवरी (एजेंसी)। जिले के पंडरिया क्षेत्र में धर्म परिवर्तन के मुद्दे को लेकर राजनीति और सामाजिक हलचल तेज हो गई है। पंडरिया की विधायक भावना बोहरा इस विषय पर लगातार मुखर रुख अपनाए हुए हैं। रविवार को पंडरिया विकासखंड के आदिवासी ग्राम कुलहीडोंगरी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान करीब 165 लोगों ने पुनः अपने मूल धर्म में वापसी की। बताया जा रहा है कि अब तक विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से 500 से अधिक लोग सनातन धर्म में लौट चुके हैं।

ग्राम कुलहीडोंगरी में आयोजित 'संस्कृति गौरव सम्मेलन एवं अभिनंदन समारोह' में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम का माहौल पारंपरिक

और सांस्कृतिक रंग में रंगा नजर आया। विधायक भावना बोहरा ने धर्म वापसी करने वाले सभी लोगों का पारंपरिक रीति-रिवाज से पैर पखारकर और नारियल भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया। आयोजकों के अनुसार, इस पहल को क्षेत्र में सांस्कृतिक अस्मिता, परंपरा और सामाजिक एकजुटता के संरक्षण से जोड़कर देखा जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बोहरा ने धर्म परिवर्तन कराने में कथित रूप से सक्रिय एजेंटों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के सीधे-साधे लोगों को लालच, प्रलोभन या अंधविश्वास में फंसाकर धर्म परिवर्तन कराना स्वीकार्य नहीं है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी ने किसी कारणवश अन्य धर्म अपनाया है, तो उनकी धर्म वापसी सुनिश्चित की जाएगी और उन्हें सामाजिक सम्मान के साथ पुनः जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एकता और परंपराओं के संरक्षण पर भी जोर दिया गया।

# सालभर जेल में बिताने के बाद पहली बार विधानसभा पहुंचे पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, भाजपा नेताओं से मिले गले

रायपुर,23 फरवरी (एजेंसी)। शराब घोटाले में आरोपी बनाए गए पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा सालभर जेल में बिताने के बाद पहली बार सोमवार को विधानसभा की कार्यवाही में शामिल हुए. विधानसभा में पहुंचने के बाद लखमा ने कांग्रेस-भाजपा विधायकों से मुलाकात की, भाजपा विधायकों ने गले लगाकर उनका स्वागत किया.

बता दें कि शराब घोटाला मामले में जमानत पर जेल से बाहर हुए कांग्रेस विधायक कवासी लखमा को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कुछ शर्तों के साथ सत्र में शामिल होने की अनुमति दी है.

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने उन्हें अंतरिम जमानत

और विधानसभा की प्रक्रियात्मक शर्तों पालन करने का निर्देश देते हुए अनुमति दी गई है. क्योंकि, अभी जिस मामले में उन्हें जमानत मिली है, उसकी जांच अभी जारी है. ऐसे में फिलहाल सर्वोच्च न्यायालय के सभी आदेशों और संवैधानिक प्रावधानों का पालन करना होगा.

विधानसभा सत्र के दौरान कवासी लखमा किसी भी तरह की स्पीच नहीं दे सकेंगे. वहीं सार्वजनिक बयानबाजी या अपने केस से जुड़े मामलों पर भी टिप्पणी नहीं कर सकेंगे. कवासी उपस्थिति केवल बजट सत्र तक ही सीमित रखी गई है, वह किसी और कार्यक्रम में भाग नहीं ले सकेंगे. यही नहीं कवासी लखमा बजट सत्र के दौरान वह अपने निवास क्षेत्र का दौरा भी नहीं कर सकेंगे. विधानसभा सत्र के दौरान कवासी लखमा को अपने आने और जाने की पूरी जानकारी विधानसभा सचिव के देनी होगी. नियमों का उल्लंघन करने पर कवासी लखमा को दी गई अनुमति तत्काल प्रभाव से रद्द की जाएगी. हालांकि, कवासी लखमा बजट सत्र के दौरान अपने हिस्से की चर्चा में भाग लें सकेंगे. कांग्रेस विधायक कवासी लखमा को शराब घोटाले में 25 जनवरी 2025 को ईडी ने गिरफ्तार किया था. करीब सालभर जेल में रहे हैं. इस दौरान आयोजित हुए विधानसभा के सत्रों में वह भाग नहीं ले सके थे. सर्वोच्च न्यायालय की तरफ से उन्हें 3 फरवरी को उन्हें अंतरिम जमानत दी थी, जिसके बाद वह जेल से बाहर आए थे.

## वाह वाह

एक बूढा आदमी लड़की से टकरा गया

बूढा- सॉरी

लड़की- अंधे हैं क्या, दिखाई नहीं देता

इतना कहकर लड़की जैसे ही आगे बढ़ी एक हैंडसम लड़का

उस लड़की से टकरा गया

लड़का- सॉरी

लड़की- इट्स ओके

यह देख बूढा आदमी लड़की से बोला- मेरी सॉरी की स्पेलिंग

गलत थी क्या?

# विद्युत आपूर्ति बेहतर करने बढ़ाई गई 132 केवी उपकेंद्र की क्षमता

## 132/33 केवी उपकेंद्र बागबाहरा की क्षमता वृद्धि से ओवरलोड की समस्या से राहत

रायपुर (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा प्रदेश में निरंतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पारेषण क्षमता के विस्तार का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में 132/33 केवी उपकेंद्र बागबाहरा में स्थापित 40 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर नवीन 63 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर का सफलतापूर्वक ऊर्जीकरण किया गया। यह इस उपकेंद्र का दूसरा 63 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर है। यह कार्य मात्र दो माह में पूर्ण किया गया।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में उपकेंद्र में 63 एमवीए एवं 40 एमवीए के ट्रांसफार्मर स्थापित थे, जिनकी कुल क्षमता 103 एमवीए थी। 40 एमवीए ट्रांसफार्मर के स्थान पर 63 एमवीए ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाने के पश्चात अब उपकेंद्र की कुल स्थापित क्षमता बढ़कर 126 एमवीए हो गई है।

गत वर्ष पीक लोड सीजन के दौरान उपकेंद्र पर लगभग 90 एमवीए तक लोड दर्ज किया गया था, जिसके कारण ओवरलोड की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। नवीन ट्रांसफार्मर के समावेश से अब ओवरलोड की समस्या से राहत मिलेगी तथा विद्युत आपूर्ति अधिक स्थिर एवं गुणवत्तापूर्ण हो सकेगी।

बागबाहरा उपकेंद्र में 132 केवी परसवानी लाइन एवं 132 केवी झलप लाइन से आपूर्ति प्राप्त होती है तथा 33 केवी के नौ फीडरों—बागबाहरा (महासमुंद), टेमरी, सुनसुनिया, गोयनबहरा, टाउन, तेंदुकोना, मुंगसेर एवं खलारी—के माध्यम से 150 से अधिक गांवों में विद्युत आपूर्ति की जाती है। इस क्षेत्र में उन्नत कृषि, कृषि आधारित उद्योग तथा अन्य औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं, जिन्हें इस क्षमता वृद्धि से विशेष लाभ प्राप्त होगा।

कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने पावर ट्रांसफार्मर का ऊर्जीकरण कर आपूर्ति प्रारंभ की। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कंपनी के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह के निर्देशन में प्रदेश के पारेषण नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। विशेष रूप से आदिवासी, वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने पर प्राथमिकता दी जा रही है।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता अब्राहम वर्गीस, अतिरिक्त मुख्य अभियंता आर.के. तिवारी, अधीक्षण अभियंता वाय.के. मनहर, पी.के. गढ़ेवाल, धनेश देवांगन, कार्यपालन अभियंता प्रशांत साहू, श्री विंध्याचल गुप्ता, सहायक अभियंता प्रदीप साहू, सुश्री लता जगत, नारायण प्रसाद लोधी एवं दीपक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस उपलब्धि से क्षेत्र के कृषकों एवं उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी तथा ग्रामीण अंचलों के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

# एसईसीएल की कमजोर कड़ी साबित हो रही मेगा परियोजना कुसमुंडा

## 50 के मुकाबले महज 27 मिलियन टन ही हुआ है उत्पादन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वित्तीय वर्ष समाप्ति को अब ज्यादा दिन शेष नहीं है। फरवरी के 6 और मार्च के 31 दिनों में एसईसीएल को भारी भरकम कोयला उत्पादन करना होगा। इसे लेकर जिले की मेगा परियोजनाओं पर दारोमदार है। कुसमुंडा मेगा परियोजना कंपनी के लक्ष्य हासिल करने में कमजोर कड़ी साबित हो रही है।

एसईसीएल की कुसमुंडा परियोजना को गेवरा के बाद दूसरा सबसे अधिक कोयला उत्पादन का टारगेट मिला हुआ है। गेवरा को 63 और कुसमुंडा को 50 मिलियन टन कोयला उत्पादन करना है। कुसमुंडा परियोजना 21 फरवरी तक की स्थिति में लगभग 27 मिलियन टन ही कोयला उत्पादन कर सकी है। अभी भी एरिया को लगभग 23 मिलियन टन और कोयला उत्पादन करना होगा। कोयला उत्पादन बढ़ाने में एरिया को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त अवधि तक एरिया से 42 मिलियन टन से अधिक कोयला उत्पादन हो जाना था। कुसमुंडा के अलावा गेवरा और दीपका मेगा परियोजना की स्थिति बेहतर है। गेवरा ने अब तक 45 मिलियन टन से अधिक कोयला उत्पादन कर लिया है। दीपका एरिया ने 40 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले 34 मिलियन टन से अधिक कोयला उत्पादन किया है। एसईसीएल की बात की जाए तो सालाना 212 मिलियन टन टारगेट के मुकाबले 152 मिलियन टन से अधिक कोयला उत्पादन हो चुका है। एसईसीएल सालाना लक्ष्य को हासिल करने पूरा जोर लगा रहा है। इसे लेकर अधिकारियों द्वारा खदानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। खासकर मेगा परियोजनाओं से कोयला उत्पादन बढ़ाने पर फोकस है। अधिकरी खदान के फेस तक उतरकर कोयला उत्पादन गतिविधियों का जायजा ले रहे हैं। साथ ही मौके पर स्टाफ से चर्चा भी की जा रही है।

# लोकल सब्जियों की आवक से दामों में आई गिरावट

## टमाटर के भाव 40-50 से गिरकर हुए 10 से 15 रुपए किलो

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पिछले कुछ दिनों से रसोई का बजट बिगाड़ रही सब्जियों की कीमतों में अब राहत देखने को मिल रही है। आसपास के ग्रामीण इलाकों से लोकल सब्जियों की आवक बढ़ने के बाद बाजार में दामों में गिरावट दर्ज की गई है। इससे गृहिणियों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट आई है।

सब्जी विक्रेताओं के अनुसार पहले बाहर से माल आने के कारण परिवहन लागत अधिक पड़ रही थी, जिससे टमाटर, भिंडी, लौकी और हरी सब्जियों के दाम ऊंचे बने हुए थे। लेकिन अब स्थानीय किसानों की फसल बाजार में पहुंचने लगी है, जिससे सप्लाई बढ़ी और कीमतों पर असर पड़ा है। बाजार में टमाटर जहां पहले 40-50 रुपये किलो बिक रहा था, वहीं अब 10 से 15 रुपये किलो में उपलब्ध है। इसी तरह हरी सब्जियों के दामों में भी 20 से 25 रुपये प्रति किलो तक की गिरावट देखी गई है। व्यापारियों का कहना है कि मौसम अनुकूल रहने से आसपास के गांवों में फसल अच्छी हुई है। किसान सीधे मंडी और हाट-बाजार में सब्जियां ला रहे हैं, जिससे बिचौलियों की भूमिका कम हुई है और उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिल रहा है। गृहिणियों का कहना है कि पिछले सप्ताह तक सब्जी खरीदना मुश्किल हो गया था, लेकिन अब कीमतें सामान्य होने से राहत मिली है। हालांकि व्यापारियों ने यह भी संकेत दिया है कि यदि मौसम खराब होता है या आवक कम होती है तो दाम फिर से बढ़ सकते हैं। फिलहाल बाजार में लोकल सब्जियों की बहार है और आम लोगों को महंगाई से थोड़ी राहत मिली है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले दिनों में सब्जियों के दाम और स्थिर रह सकते हैं।

# कुसमुंडा खनन क्षेत्र में डीजल चोरी का प्रयास विफल

## टीएसआर जवानों की सजगता की सीएमडी ने की सराहना

कोरबा (छ.ग.गौरव)। खदानों में डीजल चोरी कोई नई बात नहीं है, लेकिन अब डीजल चोर एसईसीएल की वर्दी पहनकर डीजल चोरी करने लगे हैं। इसका भंडाफोड़ त्रिपुरा स्टेट राइफल की कार्रवाई में हुआ है। जवानों ने चोरी के मंसूबे पर पानी फेर दिया। जिसकी मुख्यालय में सराहना की गई।

विगत दिनों लगभग दोपहर 3:20 बजे 4 अज्ञात चोर एसईसीएल की वर्दी धारण कर सुरक्षा कर्मियों को भ्रमित करने के उद्देश्य से कुसमुंडा खनन क्षेत्र में बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 12 बीयू 6108 से अवैध रास्ते से प्रवेश किया। उक्त चोरों द्वारा 10 प्लास्टिक कंटेनरों में लगभग 170 लीटर डीजल चोरी कर फरार होने का प्रयास किया जा रहा था। त्रिपुरा स्टेट रायफल्स (टीएसआर) सुरक्षा कर्मियों की सजगता व तत्परता के कारण संदिग्ध वाहन की पहचान कर क्यूआरटी की सहायता से उसे रोकने का प्रयास किया गया। पकड़े जाने की आशंका से चोर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। त्रिपुरा स्टेट रायफल्स जवानों द्वारा वाहन से 170 लीटर डीजल बरामद कर चोरी के प्रयास को विफल कर दिया गया। कार्रवाई त्रिपुरा स्टेट रायफल्स उप कमांडेंट मिहिर दत्ता के निर्देशन में नायक सूबे. राजेश कुमार साहू के नेतृत्व में राइफलमैन अमन टोप्पो, गोपाल दास, गेब्रियल केरकेट्टा, गुरुपदा गोपे तथा नायक बिश्नु उरांव द्वारा संयुक्त रूप से की गई। साहसिक व सतर्क कार्रवाई के लिए एसईसीएल के मुखिया हरीश दुहन सीएमडी एसईसीएल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में बिरंची दास निदेशक (मा.सं.), हिमांशु जैन मुख्य सतर्कता अधिकारी व लेफ्टिनेंट कमांडर वी. दक्षिणामूर्ति सुरक्षा प्रमुख की उपस्थिति में सभी जवानों को सम्मानित करते हुए प्रशस्ति-पत्र व स्मृति-चिन्ह प्रदान किया गया। एसईसीएल प्रबंधन द्वारा त्रिपुरा स्टेट रायफल्स जवानों की कर्तव्यनिष्ठा, सजगता व उत्कृष्ट टीमवर्क की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई तथा इसे कंपनी की सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया।

# बेहतर नागरिक बनाने का माध्यम है स्काउटिंग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला कोरबा द्वारा अवर फ्रेंडशीप डे थीम के अनुरूप वर्ल्ड थिंकिंग डे और स्काउट आंदोलन के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल व लेडी बेडेन पावेल का जन्मदिवस मनाया गया।

जिला स्तर के अलावा विद्यालयों में भी आयोजन हुए। शहर के कृष्णानगर स्थित सनराइज इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला आयुक्त (स्काउट) टीपी उपाध्याय रहे। वर्ल्ड थिंकिंग डे के सौ वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

स्काउट आंदोलन के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल और लेडी बेडेन पावेल के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ समारोह की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि डीईओ उपाध्याय ने लार्ड बेडेन पावेल को याद करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित स्काउट आंदोलन आज एक वैश्विक स्तर पर युवाओं को अच्छा और उपयोगी नागरिक बनाने का काम कर रहा है। उपाध्याय ने कहा कि निजी स्वार्थ को परे रख विश्व बंधुत्व की भावना को और प्रगाढ़ करने की आवश्यकता है। डीईओ ने युवाओं से आपसी मित्रता बनाए रखते हुए सामाजिक एकता और समरसता को बढ़ाने पर जोर दिया। इसके पूर्व गाइड याशिका साहू, दीप्ति पटेल, सीनियर रेंजर पलक पटेल ने लार्ड बेडेन पावेल एवं लेडी बेडेन पावेल और वर्ल्ड थिंकिंग-डे पर प्रकाश डाला। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जिला मुख्य आयुक्त मोहम्मद सादिक शेख ने स्काउट आंदोलन और वर्ल्ड थिंकिंग डे को लेकर अपनी बात रखी। समारोह के दौरान कब, बुलबुल, स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स और लीडर्स को विभिन्न गतिविधियों के प्रमाण-पत्रों का वितरण किया। समारोह का स्वागत उद्बोधन जिला संयुक्त सचिव रेखारानी लाल ने किया।

## राशिफल

मेष राशि : आज आपका सोचा हुआ काम पूरे होंगे। परिवार के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आप नया काम शुरू करने की योजना बनायेंगे, आगे चलकर इससे आपको फायदा होगा। इस राशि के छात्रों के सफलता का स्तर अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा रहेगा।

वृष राशि : आज आपको इनकम में बढ़ोतरी के लिये किसी की मदद मिल सकती है। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी किसी काम के लिये आपकी तारीफ कर सकते हैं, इससे आपका मन खुश रहेगा। शाम को किसी दूर के रिश्तेदार से फ़ोन पर बात हो सकती है। काम को लेकर आपकी कई योजनाएं आज समय से पूरी हो जायेंगी।

मिथुन राशि : आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। आपकी फिटनेस बनी रहेगी। आप जीवनसाथी की किसी काम में मदद करेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते अपने आप खुलते जायेंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बने हुए हैं। आपका नया कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा।

कर्क राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आर्थिक उतार-चढ़ाव की स्थितियां देखने को मिलेगी। व्यापार की गति ठहरने से किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे, जिससे जल्द ही सबकुछ अच्छा हो जायेगा। आज माता-पिता के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर में भाई-बहन की मदद से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। अनियमित दिनचर्या के कारण थोड़ा आलस्य और थकान बना रहेगा। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। परिवार के सुख-सौभाग्य में बढ़ोतरी होगी। जीवनसाथी के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। मित्र आपसे सहयोग के लिए कह सकता है, आप उनकी हर संभव मदद करेंगे। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आप जिस किसी काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको अच्छी कामयाबी मिलेगी।

तुला राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से आपको बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से फोन पर बात होने की संभावना है। निवेश के मामले में आपको नई सलाह मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको मानसिक उलझनों से मुक्ति मिलेगी, जिससे काफी राहत महसूस करेंगे। परिवारजनों के साथ खुशियों के पल बितायेंगे। दाम्पत्य रिश्ते में मजबूती आयेगी। आज किसी प्रकार की नई बात आपको सीखने को मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

धनु राशि : आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। आज आप घरेलू काम को निपटाने में सफल रहेंगे। सही योजना के तहत अपने करियर में बदलाव लायेंगे। सेहत के मामले में आप खुद को फीट महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्लान बनायेंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। आज आप अपना काम समय से पूरा कर लेंगे। अगर नया काम शुरू करना चाहते है, तो फिलहाल कुछ दिनों के लिए रुक जाना अच्छा रहेगा। परिवार के मामले में बड़ा फैसला लेने से पहले सबकी बात आपको जरूर सुनना चाहिए। कुछ चीज़ों में आपको लोगों से उलझने से बचना चाहिए। संतान से आपको सहयोग मिलेगा। दोस्तों के साथ रिश्ते बेहतर होंगे।

कुंभ राशि : आज आपको अच्छी खबर मिलेगी, जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। लम्बे समय से चल रहा किसी कोर्ट-कचहरी के मामले को निपटने के लिए किसी ख़ास दोस्त से फ़ोन पर राय लेंगे। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। कारोबार में तरक्की के योग बन रहे है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे।

मीन राशि :आज आपके व्यक्तित्व में निखार आयेगा। अध्यात्म के प्रति लगाव बढ़ेगा। जीवनसाथी के सहयोग से काम पूरे हो जायेंगे। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज ननिहाल पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। आप लोगों को अपनी बातें समझाने में सफल होंगे। आज बात करते समय अपनी भाषा पर ध्यान दें, नहीं तो किसी से अनबन हो सकती है। आपकी दिनचर्या में बदलाव आने से आज कुछ कार्यों को पूरा करने में समय लगेगा। आज पिता के सेहत में सुधार होगा। कुल मिलाकर आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है।

# राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए छत्तीसगढ़ की टीम गुजरात रवाना हुई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ की पुरुष कबड्डी टीम रविवार को 72वीं राष्ट्रीय कबड्डी स्पर्धा में हिस्सा लेने वडोदरा गुजरात रवाना हो गई है। यह स्पर्धा 24 फरवरी से शुरू होगी और 27 फरवरी तक चलेगी। छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ के तत्वावधान व कोरबा एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के सहयोग से 25 वीं राज्य स्तरीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता हुई। बेहतर खेल प्रदर्शन के आधार पर चयनित कबड्डी प्लेयरों को एचटीपीपी कोरबा पश्चिम के लाल मैदान में अनुभवी प्रशिक्षकों ने खेल की बारीकियां सिखाई। इनके प्रशिक्षण के दौरान इंटक फेडरेशन-56 के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राम इकबाल सिंह का विशेष सहयोग मिला।

सफलतापूर्वक प्रशिक्षण लेने के बाद खिलाड़ियों को ट्रैक सूट वितरित किया। इस मौके पर संरक्षक डॉ. हरीश नायक, अध्यक्ष शेर सिंह, सचिव अनुज प्रताप सिंह, बाबू लाल चंद्रा, आरसी सूर्यवंशी, ओम प्रकाश वर्मा, आरके वर्मा, सहदेव दास, जितेंद्र पांडे, नीलकमल राठौर उपस्थित थे।

# डंडे से पीट पीटकर पत्नी की हत्या

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बालको थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़धुवा में एक महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। चरित्र शंका को लेकर हुए विवाद में पति ने अपनी पत्नी की डंडे से पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

मृतका की पहचान गीता तिर्की (36) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पति फूलजेन तिर्की दीगर प्रांत में काम करता था और बीती रात घर लौटा था। घर पहुंचने पर पत्नी से विवाद हुआ, जिसके बाद उसने लकड़ी के डंडे से ताबड़तोड़ वार कर दिया। महिला के शरीर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही बालको पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतका अपने छोटे पुत्र के साथ घर पर रहती थीं। जहां पति और बड़ा बेटा गोवा में रहकर काम करते थे। बीती रात मृतका का पति अपने गांव लौटा था।

# किक बॉक्सिंग: रेफरी के लिए शुभम व मयंक का चयन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वाको इंडिया किक बॉक्सिंग फेडरेशन के तत्वावधान में अस्मिता खेलो इंडिया ईस्ट जोन किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता 25 फरवरी से शुरू होगी। 5 दिवसीय प्रतियोगिता 29 फरवरी तक सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल में आयोजित होगी। इसके लिए क्वालीफाइड रेफरी शुभम यादव व मयंक डड़सेना का किक बॉक्सिंग स्पर्धा को संपादिन करने चयन हुआ है। छत्तीसगढ़ किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के संस्थापक एवं कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा एवं महासचिव आकाश गुरुद्वान ने बताया कि ईस्ट जोन से पश्चिम बंगाल, बिहार, सिक्किम, मिजोरम, त्रिपुरा, असम, मणिपुर, नागालैंड, झारखंड और अरुणाचल प्रदेश की टीम भाग लेगी। इसे संपादित करने के लिए वाको इंडिया किक बॉक्सिंग फेडरेशन ने देश के विभिन्न राज्यों से क्वालीफाइड रेफरी का चयन किया है। इनमें छत्तीसगढ़ के कोरबा के सीएमए किक बॉक्सिंग एकेडमी से शुभम यादव और मयंक डड़सेना शामिल हैं। इस पर एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष छगन लाल मूंदड़ा, संस्थापक व कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा, महासचिव आकाश गुरुद्वान, जिला खेल अधिकारी दीनू पटेल, सहायक खेल प्रभारी आरके साहू, क्रीड़ा भारती के जिला अध्यक्ष बलराम विश्वकर्मा, सीएमए किक बॉक्सिंग एकेडमी की डायरेक्टर प्रीति मिश्रा समेत अन्य ने प्रसन्नता जताई है।

इंडियन नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ( दाएं ) नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक लॉन्स में हेलेनिक नेवी चीफ वाइस एडमिरल दिमित्रियोस-एलेफथेरियोस कटारस का स्वागत करते हुए।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व सीईओ बिल गेट्स और अन्य लोगों के साथ, आंध्र प्रदेश के अमरावती में एक मीटिंग के दौरान।

मणिपुर के सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइज़ेशन के सदस्यों ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने यूनाइटेड स्टेट्स इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जॉन पापारो जूनियर के साथ बातचीत की। दूसरे अधिकारी भी दिख रहे हैं।

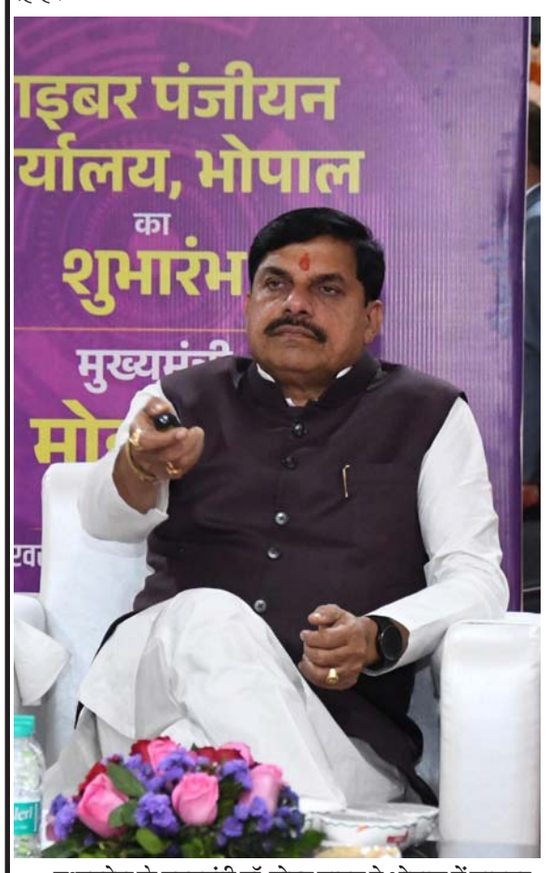


मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ किया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026 में शामिल हुए।

# बांग्लादेश: हिरासत में एक और आवामी लीग नेता की मौत, अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में तोड़ा दम

ढाका ,23 फरवरी ( एजेंसी )। बांग्लादेश में आम चुनाव के परिणाम आ चुके है। एक दिन बाद यानी 17 फरवरी को प्रधानमंत्री के रूप में तारिक रहमान शपथ लेने जा रहे हैं। इस बीच बांग्लादेश में अवामी लीग के सदस्यों की हिरासत में मौत के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हालिया घटना में आवामी लीग के एक 60 वर्षीय नेता की मौत हो गई।

ताजा मामले में अवामी लीग के एक नेता की गाइबांधा जिला जेल में हिरासत में मौत हो गई। 60 साल के अवामी लीग के नेता का नाम शमीकुल इस्लाम है, जो कि पलाशबाड़ी उपजिला के अवामी लीग के अध्यक्ष थे। बताया जा रहा है कि वे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए और रविवार को रंगपुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले

जाते वक्त उनकी मौत हो गई।

रास्ते में ही नेता ने तोड़ा दमवहीं घटना की पुष्टि करते हुए गाइबांधा जिला जेल के प्रमुख मोहम्मद अतीकुर रहमान ने बताया कि अवामी लीग नेता को पहले सदर अस्पताल ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए रंगपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। गाइबांधा जेल के सूत्रों के हवाले से बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने बताया कि 5 अगस्त, 2024 को अवामी लीग की सरकार के सत्ता से हटने के बाद शमीकुल के खिलाफ कई केस दर्ज किए गए थे।उन्हें उसी साल 8 दिसंबर को ढाका में एक केस में गिरफ्तार किया गया था और वे लंबे समय तक जेल में रहे।हालांकि बाद में जमानत मिलने के बावजूद उन्हें कथित तौर पर एक अन्य केस में फिर गिरफ्तार किया गया और पिछले साल जेल भेज दिया गया।आवामी लीग के नेताओं की लगातार मौतइस घटना ने बांग्लादेश की जेलों में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों की हिरासत में मौतों की बढ़ती संख्या में इजाफा कर दिया है, जिससे मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के समय में राजनीतिक दमन और लक्षित कार्रवाई के आरोप तेज हो गए हैं।इससे पहले स्थानीय मीडिया ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से जानकारी दी थी कि सात फरवरी को बांग्लादेश के पूर्व मंत्री और अवामी लीग के वरिष्ठ नेता रमेश चंद्र सेन की दिनाजपुर जिला जेल में पुलिस हिरासत में बीमार पड़ने के बाद मौत हो गई थी। वह पहले जल संसाधन मंत्री रह चुके थे और ठाकुरगांव-1 ( सदर उपजिला ) सीट से सांसद थे। उन्हें दिनाजपुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के इमरजेंसी में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया था।ये भी पढ़ें: तारिक रहमान के भव्य शपथ ग्रहण की तैयारी: भारत से ओम बिरला जाएंगे, दुनियाभर से जुटेंगे 1200 मेहमान; जानिए सबकुछवहीं अवामी लीग लगातार आरोप लगा रही है कि बांग्लादेशी अधिकारी राजनीतिक विरोधियों को खत्म करने के लिए जेलों को मूक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। पार्टी ने कहा था कि जेल अधिकारियों ने इसे 'प्राकृतिक मृत्यु' कहा है, लेकिन सच्चाई बिल्कुल अलग है।

# रोड आईलैंड के हॉकी एरीना में गोलीबारी संदिग्ध समेत तीन की मौत, तीन घायल

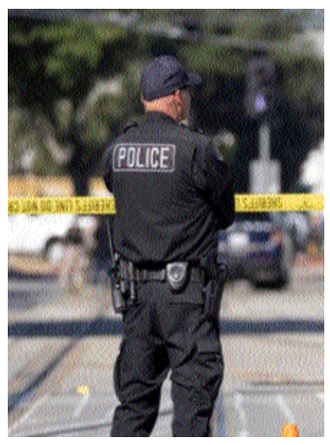


वॉशिंगटन 23 फरवरी। अमेरिका के रोड आइलैंड राज्य में एक हॉकी एरीना में हुई गोलीबारी ने इलाके में दहशत का माहौल बन गया। इस गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सीएनएन के मुताबिक, मरने वालों में एक युवती भी शामिल है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि हमलावर ने घटना के बाद खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी भी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच के आधार पर कहा है कि हमलावर संभवत: अपने ही परिवार के सदस्यों को निशाना बना रहा था। यह घटना पॉटकेट स्थित डेनिस एम. लिंच एरीना में हुई, जहां उस समय दो स्कूल छात्र टीमों के बीच हॉकी मैच चल रहा था। पॉटकट पुलिस प्रमुख ने बताया कि तीन अन्य पीड़ित गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं।

# ट्रंप का तुगलकी फरमान : महिला नेता का बात करने का तरीका नहीं आया पसंद, गुस्से में बढ़ा दिया टैरिफ

वाशिंगटन ,23 फरवरी । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बेबाक और कई बार चौंकाने वाले फैसलों के लिए जाने जाते हैं। अब उन्होंने स्विट्जरलैंड पर आयात शुल्क ( टैरिफ ) बढ़ाने के पीछे एक बेहद अजीबोगरीब वजह का खुलासा किया है। ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा है कि उन्हें स्विट्जरलैंड की महिला नेता के बात करने का लहजा बिल्कुल पसंद नहीं आया। महिला नेता फोन पर लगातार छोटा देश होने की दुहाई दे रही थीं, जिससे नाराज होकर अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैक्स में राहत देने के बजाय उसे और बढ़ा दिया।फोन नहीं रख रही थीं महिला नेता, बार-बार दी दलील फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने स्विस फेडरल काउंसिल की सदस्य कैरिन कैलर सटर के साथ हुई अपनी फोन कॉल का जिक्र किया। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने स्विट्जरलैंड पर पहले 30 फीसदी टैरिफ लगाया था, जो उनके हिसाब से काफी कम था। इसके बाद उन्हें स्विट्जरलैंड से एक कॉल आया। ट्रंप को लगा कि वह वहां की प्रधानमंत्री थीं। बातचीत के दौरान महिला नेता काफी आक्रामक थीं, हालांकि वे बात तमीज से कर रही थीं। उन्होंने बार-बार ट्रंप से कहा कि 'सर हम एक बहुत छोटा देश हैं, हम इतना बोझ नहीं उठा पाएंगे, हम ऐसा नहीं कर सकते।' ट्रंप ने बताया कि वह फोन रखने को तैयार ही नहीं थीं और लगातार बहस कर रही थीं।ट्रंप ने साक्षात्कार में कहा कि महिला नेता की एक ही रट और बात करने का तरीका उन्हें नागवार गुजरा। वह बार-बार कह रही थीं कि हम छोटे देश हैं, लेकिन ट्रंप ने उन्हें याद दिलाया कि छोटा देश होने के बावजूद अमेरिका के साथ उनका 42 बिलियन डॉलर का ट्रेड डेफिसिट ( व्यापार घाटा ) है। ट्रंप ने कहा कि उनका बात करने का अंदाज मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगा।

# नाइजीरिया में बोको हराम के खतरे के बीच पहुंचा अमेरिकी सैनिकों का दल

वाशिंगटन ,23 फरवरी । अबुजाकरीब 100 अमेरिकी सैनिक नाइजीरिया पहुंचे हैं। जो वहां लड़ाई नहीं करेंगे, सिर्फ ट्रेनिंग, तकनीकी और खुफिया मदद देंगे। बता दें कि नाइजीरिया ने खुद अमेरिका से सहायता मांगी थी। दरअसल, देश में कई आतंकी और हथियारबंद गिरोह सक्रिय हैं। इनमें बोको हराम, आईएस से जुड़े संगठन और अपहरण गिरोह शामिल हैं। नाइजीरिया में आतंकवाद और हथियारबंद गिरोहों से लड़ाई तेज होती जा रही है। इसी बीच अमेरिका ने करीब 100 सैनिक और सैन्य उपकरण वहां भेजे हैं। नाइजीरियाई सेना ने बताया कि ये अमेरिकी सैनिक लड़ाई नहीं करेंगे, बल्कि वहां की सेना को ट्रेनिंग देंगे, तकनीकी मदद देंगे और खुफिया जानकारी साझा करेंगे।क्यों भेजे गए अमेरिकी सैनिक?नाइजीरिया की सरकार ने खुद अमेरिका से मदद मांगी थी। देश में कई आतंकवादी और हथियारबंद गिरोह सक्रिय हैं। इनमें बोको हराम, आईएस से जुड़े संगठन और अपहरण करने वाले गिरोह शामिल हैं। इन हमलों में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है।नाइजीरिया में क्या करेंगे अमेरिकी सैनिक?नाइजीरिया के डिफेंस हेडक्वार्टर के स्पोक्सपर्सन मेजर जनरल समैला उबा के अनुसार, अमेरिकी सैनिक सीधे युद्ध में हिस्सा नहीं लेंगे, केवल ट्रेनिंग, सलाह और जानकारी देंगे। इस दौरान पूरे ऑपरेशन की कमान नाइजीरिया के पास ही रहेगी।अमेरिका-नाइजीरिया तनावकुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया था कि नाइजीरिया में ईसाइयों की सुरक्षा नहीं हो रही। लेकिन नाइजीरिया सरकार ने इस आरोप को

गलत बताया और कहा कि आतंकवादी धर्म देखकर नहीं, बल्कि इलाके के हिसाब से हमला करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, हमलों के ज्यादातर शिकार नाइजीरिया के मुस्लिम बहुल उत्तरी इलाकों के लोग हैं।नाइजीरिया में हालात क्यों बिगड़े?दरअसल, नाइजीरिया में स्थानीय आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं और पड़ोसी देशों से भी आतंकी घुसपैठ बढ़ी है।

इसके साथ अपहरण और अवैध खनन करने वाले गिरोह भी हिंसा फैला रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार अभी तक आम लोगों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा पाई है। दिसंबर में, अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में इस्लामिक स्टेट ग्रुप से जुड़े आतंकवादियों पर एयरस्ट्राइक की थी।

# अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने जेफ्री एपस्टीन के द्वीप पर लंच की बात स्वीकारी, बढ़ा इस्तीफे का दबाव

न्यूयॉर्क ,23 फरवरी । अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने स्वीकार किया कि उन्होंने वर्ष 2012 में जेफ्री एपस्टीन के द्वीप पर अपने परिवार के साथ लंच किया था। यह स्वीकारोक्ति उन्होंने मंगलवार को सीनेट की विनियोग उपसमिति की सुनवाई के दौरान दी।लुटनिक ने कहा, मैं पारिवारिक छुट्टी पर वोट से यात्रा कर रहा था। उसी दौरान हमने द्वीप पर रुककर करीब एक घंटे तक लंच किया। यह सच है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि उनका एपस्टीन के साथ कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था। उन्होंने कहा, मेरा उस व्यक्ति से कोई रिश्ता नहीं था। मेरा उससे बहुत कम संपर्क था।इससे पहले लुटनिक कह चुके थे कि उन्होंने 2005 में ही एपस्टीन से सभी संबंध तोड़ लिए थे। लेकिन जनवरी में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी ताजा एपस्टीन फाइलों से संकेत मिला कि दोनों के बीच बाद के वर्षों में भी संपर्क बना रहा। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 2014 तक दोनों के बीच कारोबारी लेन-देन भी था।समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, इस खुलासे के बाद लुटनिक पर इस्तीफा देने का दबाव बढ़ गया है। डेमोक्रेट्स के साथ-साथ कुछ रिपब्लिकन नेता भी उनसे पद छोड़ने की मांग कर रहे हैं।जेफ्री एपस्टीन ने 2008 में नाबालिग से वेश्यावृत्ति कराने के राज्य स्तरीय आरोप में दोष स्वीकार किया था। जुलाई 2019 में उसे संघीय स्तर पर सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोप में दोबारा गिरफ्तार किया गया। हालांकि मुकदमा शुरू होने से पहले ही 10 अगस्त 2019 को जेल में ही रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई थी।इसी साल जनवरी में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन और गिस्लेन मैक्सवेल से जुड़ी जांच और अभियोजन से संबंधित लाखों रिकॉर्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू की। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 19 नवंबर 2025 को हस्ताक्षरित 'एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट' के तहत उठाया गया।उप-अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने बताया कि विभाग ने तीन मिलियन से अधिक पन्नों के दस्तावेज, 2,000 से ज्यादा वीडियो

# कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में एक स्कूल में ताबड़तोड़ फायरिंग, 9 लोगों की मौत; शूटर भी ढेर

टोरंटो ,23 फरवरी । कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में हुई एक सामूहिक गोलीबारी में हमलावर समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह घटना मंगलवार ( स्थानीय समय ) को ब्रिटिश कोलंबिया के टंबलर रिज स्थित एक स्कूल में हुई।रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ( आरसीएमपी ) के मुताबिक, हाई स्कूल के अंदर छह लोग मृत पाए गए। एक अन्य व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार संदिग्ध हमलावर भी मृत पाया गया। पुलिस का कहना है कि उसकी मौत खुद को पहुंचाई गई चोट के कारण हुई। यह जानकारी कनाडा के प्रमुख मीडिया संस्थान सीबीसी ने दी है।इसके अलावा, एक घर से भी दो लोगों के शव मिले हैं। पुलिस का मानना है कि इस घर का संबंध इसी गोलीबारी की घटना से है। घटना में घायल सभी लोगों को प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल भेज दिया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

# ईरान-अमेरिका बातचीत पर राष्ट्रपति ट्रंप ने दी चेतावनी, बोले- डील नहीं हुई तो होंगे गंभीर नतीजे

वॉशिंगटन ,23 फरवरी । ईरान के साथ परमाणु-मुद्दे पपर बातचीत के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बातचीत से समाधान चाहते हैं। लेकिन साथ ही उन्होंने सख्त चेतावनी भी दे रहे हैं यानी कूटनीति और दबाव- दोनों रास्ते खुले रखे गए हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में होने वाली बातचीत को वे समर्थन देते हैं और खुद भी अप्रत्यक्ष रूप से इसमें जुड़े रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार दोनों देश किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं।ट्रंप ने ईरान को चेतावनी भी दीराष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान बहुत सख्त बातचीत करने वाला देश है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह इस बार ज्यादा समझदारी दिखाएगा। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। ट्रंप का दावा है कि अगर अमेरिका ने हाल में सैन्य कार्रवाई न की होती, तो ईरान एक महीने में परमाणु हथियार बना सकता था।

क्या है बातचीत का मुद्दा?

यह बातचीत मुख्य रूप से इन मुद्दों पर हो रही है। इसमें ईरान का परमाणु कार्यक्रम, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका के प्रतिबंध शामिल हैं। पहले भी कई बार बातचीत हुई, लेकिन या तो समझौते टूट गए या सिर्फ अस्थायी समाधान निकल पाया।

ट्रंप ने घरेलू मुद्दों पर भी बातें कीइस दौरान अर्थव्यवस्था पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में महंगाई बहुत कम है। उन्होंन पेट्रोल की कीमत कई जगह 2 डॉलर प्रति गैलन से कम बताई। वहीं अपराध के मुद्दे पर उनका दावा है कि अमेरिका में हत्या के मामले 1900 के बाद सबसे कम हैं। जबकि सीमा सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि हजारों अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजा गया है।राजनीति और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्देराष्ट्रपति ट्रंप ने सरकारी फंडिंग विवाद के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार बताया। वहीं वोटर आईडी पर भी उन्होंने विपक्ष पर धोखाधड़ी चाहने का

आरोप लगाया। ट्रंप ने इस दौरान क्यूबा से बातचीत जारी होने की बात कही। वहीं चीन के राष्ट्रपति से बातचीत के बाद ताइवान पर जल्द फैसला लेने की बात कही।

अमेरिका-ईरान विवाद की शुरुआत कैसे हुई? पहले ईरान में अमेरिका-समर्थित राजा ( शाह ) था। 1979 में इस्लामिक क्रांति हुई और नई सरकार बनी जो अमेरिका के खिलाफ थी। सबसे बड़ा टकराव तब हुआ जब ईरानी छात्रों ने अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर लिया। इस दौरान 52 अमेरिकी लोगों को 444 दिन तक बंधक रखा। यहीं से दोनों देशों के रिश्ते बहुत खराब हो गए।परमाणु विवाद क्यों शुरू हुआ?2000 के बाद अमेरिका को शक हुआ कि ईरान गुप्त रूप से परमाणु हथियार बना रहा है। हालांकि, ईरान कहता है कि उसका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ बिजली और शांति के कामों के लिए है। वहीं अमेरिका कहता है कि उसे डर है कि ईरान परमाणु बम बना सकता है। इस कड़ी में 2015 में अमेरिका - यूरोप और ईरान के बीच बड़ी डील हुई। इस डील के मुताबिक, ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करेगा और अमेरिका आर्थिक प्रतिबंध हटाएगा।ट्रंप ने डील क्यों तोड़ी?

जब ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने, तब उन्होंने कहा यह खराब समझौता है। 2018 में अमेरिका डील से बाहर निकल गया। इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए, दोनों देशों के रिश्ते फिर बहुत खराब हो गए।सबसे बड़ा तनाव, आज की स्थिति2020 में अमेरिका ने ईरान के टॉप जनरल कासिम सुलेमानी को ड्रोन हमले में मार दिया। इसके बाद दोनों देशों में युद्ध जैसे हालात बन गए थे। अभी हालात ऐसे हैं, ईरान परमाणु कार्यक्रम तेजी से बढ़ा रहा है। अमेरिका डरता है कि ईरान परमाणु हथियार बना सकता है, कई बार बातचीत शुरू हुई लेकिन पूरी डील नहीं हो पाई। इसी वजह से अब जेनेवा में फिर से बातचीत हो रही है।अमेरिका-ईरान विवाद की शुरुआत कैसे हुई? पहले ईरान में अमेरिका-समर्थित राजा ( शाह ) था। 1979 में इस्लामिक क्रांति हुई और नई सरकार बनी जो अमेरिका के खिलाफ थी। सबसे बड़ा टकराव तब हुआ जब ईरानी छात्रों ने अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर लिया। इस दौरान 52 अमेरिकी लोगों को 444 दिन तक बंधक रखा। यहीं से दोनों देशों के रिश्ते बहुत खराब हो गए।परमाणु विवाद क्यों शुरू हुआ?2000 के बाद अमेरिका को शक हुआ कि ईरान गुप्त रूप से परमाणु बम बना सकता है। इस कड़ी में 2015 में अमेरिका - यूरोप और ईरान के बीच बड़ी डील हुई। इस डील के मुताबिक, ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करेगा और अमेरिका आर्थिक प्रतिबंध हटाएगा।ट्रंप ने डील क्यों तोड़ी?

जब ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने, तब उन्होंने कहा यह खराब समझौता है। 2018 में अमेरिका डील से बाहर निकल गया। इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए, दोनों देशों के रिश्ते फिर बहुत खराब हो गए।सबसे बड़ा तनाव, आज की स्थिति2020 में अमेरिका ने ईरान के टॉप जनरल कासिम सुलेमानी को ड्रोन हमले में मार दिया। इसके बाद दोनों देशों में युद्ध जैसे हालात बन गए थे। अभी हालात ऐसे हैं, ईरान परमाणु कार्यक्रम तेजी से बढ़ा रहा है। अमेरिका डरता है कि ईरान परमाणु हथियार बना सकता है, कई बार बातचीत शुरू हुई लेकिन पूरी डील नहीं हो पाई। इसी वजह से अब जेनेवा में फिर से बातचीत हो रही है।

## सम्पादकीय...

# ट्रंप के टैरिफ

अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों को लेकर जो निर्णय दिया है उसे राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल मे अब तक का सबसे बड़ा झटका करार दिया जा सकता है। इससे यह भी पता चलता है कि जरूरी नहीं कि प्रशासन द्वारा लिए गए सभी निर्णयों को न्यायिक मंजूरी मिल जाए। आवश्यकता होने पर न्यायालय अपनी स्वतंत्रता का प्रदर्शन कर सकता है। न्यायालय ने गत सप्ताह कहा था कि राष्ट्रपति के पास अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक अधिकार अधिनियम ( आईईईपीए ) के अंतर्गत शुल्क लगाने का अधिकार नहीं है। अदालत ने उल्लेख किया कि जब अमेरिकी कांग्रेस शुल्क लगाने की शक्ति प्रदान करती है, तो वह इसे स्पष्ट रूप से प्रदान करती है। आईईईपीए के मामले में ऐसा नहीं था। किसी भी राष्ट्रपति ने कभी इसका उपयोग शुल्क लगाने के लिए नहीं किया था। प्रत्या?शित रूप से, ट्रंप को यह निर्णय पसंद नहीं आया और उन्होंने इसे 'अपमानजनक' करार दिया। उन्होंने लगभग तुरंत ही 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 के तहत 10 फीसदी शुल्क लगा दिया। बाद में इसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया। यह प्रावधान राष्ट्रपति को 150 दिनों तक अधिकतम 15 फीसदी शुल्क लगाने की अनुमति देता है ताकि बड़े भुगतान संतुलन घाटे का समाधान किया जा सके। शुल्क ट्रंप के एजेंडे का केंद्रीय हिस्सा हैं, और उनकी नजर में इनका इस्तेमाल कई आर्थिक और रणनीतिक समस्याओं को हल करने के लिए किया जा सकता है। बुनियादी स्तर पर, उनका मानना है कि वर्षों से व्यापारिक साझेदारों ने अमेरिका के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार नहीं किया है, और बड़ा व्यापार घाटा इसी अन्याय का परिणाम है। तथाकथित 'जवाबी शुल्क' अमेरिका के व्यापार घाटे को दूर करने और विनिर्माण नौकरियों को वापस लाने के लिए लगाए गए थे। शुल्क का उपयोग केवल व्यापार घाटे के समाधान तक सीमित नहीं था। इन्हें उन देशों को दंडित करने के लिए भी इस्तेमाल किया गया जिन्हें कथित तौर पर अमेरिका को अवैध नशीली दवाएं निर्यात करने वाला माना गया, और भारत को रूसी तेल खरीदने से हतोत्साहित करने के लिए भी। कहा गया कि इससे यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में मदद मिलेगी। ट्रंप ने यूरोप पर भी उच्च शुल्क लगाने की धमकी दी यदि उसने ग्रीनलैंड के अधिग्रहण का विरोध किया। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने शुल्क का अधिक चयनात्मक उपयोग किया था और इन्हें विशिष्ट वस्तुओं और देशों पर लगाया था, जिसे अदालत में बचाव किया जा सकता था। लेकिन इस बार उन्होंने सीमा से बहुत आगे बढ़कर काम किया। यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिकी व्यवसाय शुल्क का भुगतान वापस पा सकेंगे या नहीं। किसी भी स्थिति में, शुल्क संग्रह में संभावित गिरावट ने राजकोषीय चिंताएं बढ़ा दी हैं। ट्रंप लगातार शुल्क लगाने के नए तरीकों की तलाश करते रहेंगे। हालांकि, यह कहना उचित होगा कि समझौतों पर बातचीत में अमेरिकी प्रशासन के पास जो दबदबा था, वह कमजोर हुआ है। कम से कम फिलहाल तो ऐसा ही नजर आ रहा है। साथ ही उन समझौतों में से कुछ पुन: वार्ता के लिए खुले रहेंगे। भारत ने भी हाल ही में अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौता के तहत 18 फीसदी अमेरिकी शुल्क स्वीकार किए हैं। यह देखना बाकी है कि अदालत का निर्णय और प्रशासन की बाद की कार्रवाइयां व्यापार समझौते के अंतिम क्रियान्वयन को कैसे प्रभावित करती हैं, क्योंकि सूक्ष्म विवरण अभी तय होने बाकी हैं। यद्यपि सरकार घटनाक्रम पर नजर रख रही है, अधिकांश व्यापारिक साझेदारों की तरह अब भारत अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में होगा। न्याय की दृष्टि से देखें तो, अमेरिका द्वारा शुरू किए गए शुल्क और व्यापार व्यवधानों ने कई देशों को वैकल्पिक बाजार खोजने और नए गठबंधन बनाने के लिए मजबूर किया। भारत ने भी पिछले वर्ष रचनात्मक कदम उठाए और कई व्यापार समझौते शुरू किए और पूरे किए, जिनमें लंबे समय से प्रतीक्षित यूरोपीय संघ के साथ समझौता भी शामिल है। इसके अलावा, उत्पादकता और व्यापारिक परिस्थितियों में सुधार के उद्देश्य से आंतरिक सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए कई उपाय किए गए। यह महत्त्वपूर्ण होगा कि ऐसे प्रयास बिना रुके जारी रहें। यह भारत के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकृत होने और उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए अत्यंत आवश्यक होगा।

# पारदर्शिता से जवाबदेही की ओर: भारत की खाद्य सुरक्षा संरचना में एआई की भूमिका

**संजीव चोपड़ा**

पिछले एक दशक के दौरान, भारत ने अभूतपूर्व पैमाने पर अपनी खाद्य सुरक्षा संरचना का डिजिटलीकरण किया है। खरीद एवं भंडारण से लेकर परिवहन, वितरण और सब्सिडी के निपटारे तक, मूल्य श्रृंखला का हर चरण अब डिजिटल प्रणालियों द्वारा संचालित है। यह व्यवस्था निरंतर संचालन से जुड़े आंकड़े सृजित करने के साथ-साथ ही हर महीने लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रही है।

शासन संबंधी अगली चुनौती इस पारदर्शिता को प्रशासनिक जवाबदेही में बदलना है। सिर्फ दृश्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस प्रणाली को पैटर्न की व्याख्या करने, जोखिमों को प्राथमिकता देने और समय पर प्रतिक्रिया देने में भी समर्थ होना चाहिए। इस बदलाव को देखते हुए, केन्द्र सरकार पूरी प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ( एआई ) का उपयोग कर रही है।

खरीद प्रक्रिया के दौरान, भारतीय खाद्य निगम ( एफसीआई ) को कुटाई के बाद आपूर्ति किए गए चावल की गुणवत्ता का आकलन टूटे हुए दानों के प्रतिशत, अशुद्धियों और रंग में बदलाव जैसे निर्धारित मापदंडों के आधार पर दृश्य आधारित मूल्यांकन पर निर्भर करता है। बड़े पैमाने पर, मानवीय व्यक्तिपरकता के कारण नतीजे भिन्न हो सकते हैं। इसलिए, एआई से लैस स्वचालित अनाज विश्लेषक ( एजीए ) का उपयोग तस्वीर-आधारित विश्लेषण के जरिए इन मापदंडों का आकलन करने हेतु किया जा रहा है। माप को मानकीकृत और व्यक्तिपरकता को कम करके, ये प्रणालियां मौजूदा खरीद मानदंडों के भीतर काम करते हुए गुणवत्ता के सत्यापन में निरंतरता को बेहतर बना रही हैं।

एफसीआई और सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन ( सीडब्ल्यूसी ) द्वारा संचालित भंडारण केन्द्रों में, निगरानी को मजबूत करने हेतु आईओटी-आधारित निगरानी प्रणालियों की शुरुआत की जा रही है। सेंसर तापमान, आर्द्रता, फॉस्फीन और कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को मापते हैं, जबकि एआई से लैस कंप्यूटर विजन टूल स्वचालित तरीके से बोरियों की गिनती और स्टॉक के सत्यापन में सहायता करते हैं। ये प्रणालियां माल-सूची ( इन्वेंट्री ) और पर्यावरणीय स्थितियों से संबंधित निरंतर आंकड़े सृजित करती हैं। डीएफपीडी के वेयरहाउस ग्रेडिंग प्लेटफॉर्म, डिपो दर्पण के साथ एकीकृत, इस आंकड़े का विश्लेषण प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स का उपयोग करके खराब होने के जोखिम, स्टॉक संबंधी विसंगतियों या अनुपालन की कमियों से जुड़े पैटर्न की पहचान करने हेतु किया जा सकता है ताकि शीघ्र और अपेक्षाकृत अधिक जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण से जुड़ी कार्रवाई संभव हो सके।

खाद्यान्नों की आवाजाही के दौरान, मार्ग अनुकूलन उपकरणों ( 'अन्न चक्र' ) का उपयोग करके जहां परिवहन की योजना बनाई जाती है, वहीं व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम ( वीएलटीएस ) ट्रक की आवाजाही से जुड़े वास्तविक समय में जीपीएस आधारित आंकड़े सृजित करते हैं। राज्यों ने मार्ग अनुकूलन के जरिए लगभग 238 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत की है। मार्ग संबंधी योजना भले ही व्यवस्थित है, लेकिन राज्यों में हजारों यात्राओं की निगरानी करना परिचालन संबंधी चुनौतियां पेश करता है। आवागमन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने और बार-बार होने वाले मार्ग विचलन, असामान्य देरी या असामान्य ठहराव को चिह्नित करने के उद्देश्य से एआई-आधारित पैटर्न का पता लगाने और विसंगति की पहचान करने की योजना बनाई जा रही है। ये विश्लेषण निगरानी को मजबूत कर रहे हैं और परिवहन संचालन के अपेक्षाकृत अधिक केन्द्रित सत्यापन को संभव बना रहे हैं।

वितरण वाले चरण में, राज्यों द्वारा रखे गए लाभार्थियों के रिकॉर्ड को स्मार्ट-पीडीएस प्लेटफॉर्म के तहत समेकित किया जाता है। इससे राशन कार्डों का एक एकीकृत राष्ट्रीय भंडार तैयार होता है। यही नहीं, इससे राज्य द्वारा परिभाषित मानदंडों के तहत संभावित रूप से अपात्र कार्डों की पहचान करने हेतु अन्य सरकारी डेटाबेस के साथ सत्यता की पुष्टि ( क्रॉस-वेरिफिकेशन ) भी संभव हो पाती है। अब तक, इस तरह के सत्यापन के जरिए 8.51 करोड़ राशन कार्डों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 2.18 करोड़ कार्डों को राज्य सरकारों द्वारा उचित प्रक्रिया के बाद हटा दिया गया है। हालांकि नामों, पतों, आधार सीडिंग और परिवार की संरचना में विसंगतियां बड़े पैमाने पर नियम-आधारित जांच की प्रभावशीलता को सीमित कर सकती हैं। संभावित नकल, संबंधित पहचानों या परिवारों के असामान्य पुनर्गठन की पहचान करने हेतु मशीन लर्निंग पर आधारित आंकड़ों के मिलान की तकनीकों का उपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। इसके परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाले जोखिम संबंधी संकेत राज्यों द्वारा लक्षित सत्यापन में सहायता करेंगे, जिससे मौजूदा पात्रता संबंधी मानदंडों के भीतर सटीकता बेहतर होगी।

लाभार्थियों की शिकायतें सेवाओं की आपूर्ति और अनाज की गुणवत्ता के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। शिकायत दर्ज कराने हेतु कई साधन ( ऑनलाइन पोर्टल, कॉल सेंटर, व्हाट्सएप और आईवीआरएस सहित ) मौजूद हैं, लेकिन शिकायतों की संख्या और भाषाई विविधता के कारण समय पर उनका निपटान और समाधान करना मुश्किल हो जाता है। सरकार ने अन्न सहायता हेलिस्टिक एआई सॉल्यूशन ( आशा ) शुरू किया है, जो बहुभाषी वॉयस आउटरीच और एआई-आधारित विश्लेषण का उपयोग करके लाभार्थियों से व्यवस्थित प्रतिक्रिया एकत्र करता है। स्वचालित वर्गीकरण और भावनाओं के विश्लेषण प्रशासकों के लिए डैशबोर्ड तैयार करते हैं, जिससे प्राथमिकता के निर्धारण और प्रतिक्रिया में लगने वाले समय में सुधार होता है। आशा वर्तमान में प्रति माह लगभग 20 लाख लाभार्थियों तक पहुंचती है और पूरे देश में इसका विस्तार किया जा रहा है।

अंत में, राज्य सरकारें खरीद लागत घटकों से संबंधित सहायक दस्तावेजों के साथ एनएफएसए के लिए सब्सिडी दावे ( स्कैन ) पोर्टल के जरिए सब्सिडी संबंधी दावों को प्रस्तुत करती हैं। प्रारूप और चेकलिस्ट भले ही मानकीकृत हैं, लेकिन अपूर्ण, बेमेल या अस्पष्ट दस्तावेज के कारण जांच और प्रतिपूर्ति में देरी हो सकती है। दस्तावेजों की प्रासंगिकता, डेटा की निरंतरता और अपलोड की स्पष्टता की पुष्टि करने हेतु एआई-आधारित दस्तावेज सत्यापन और गुणवत्ता मूल्यांकन का उपयोग किया जा रहा है। इससे बार-बार की पूछताछ कम होती है और दावों के निपटारे की प्रक्रिया में दक्षता और निरंतरता बेहतर होती है। भारत की खाद्य सब्सिडी संरचना ने डिजिटलीकरण के जरिए पहले ही बर्बादी को कम कर दिया है। अगला बदलाव जवाबदेही में निहित है।

( यह लेखक के अपने विचार है )

# समझौते की घोषणा किसी को पता नहीं

**हरिशंकर व्यास**

लाख टके का सवाल है आज अमेरिका के साथ जिस व्यापार संधि की बात है उसका असल कौन जानता है? क्या कैबिनेट में विचार हुआ? मंत्रियों के समूह, सचिवों के समूह में विचार हुआ? सवाल यह भी है कि अकेले अमेरिका के राष्ट्रपति ने समझौते की घोषणा क्यों की? क्यों फिर एक घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप का आभार जताया, पुष्टि की? साझा घोषणा क्यों नहीं हुई? याद करें इसी तरह ट्रंप ने एकतरफा तरीके से 10 मई 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। उसके आधे घंटे के बाद भारत की ओर से एक मिनट से भी कम की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें सीजफायर की पुष्टि की गई थी। इसी तरह ट्रंप ने ही ऐलान किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और यह भी ऐलान किया कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा।

सवाल है जब साझा बयान तैयार नहीं है, समझौते की बातचीत पूरी तरह से फाइनल नहीं हुई है और तत्काल कोई प्रावधान लागू नहीं हो रहा था तो सोमवार, दो फरवरी की देर रात को इसकी घोषणा की क्या जरुरत थी?

ध्यान रहे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अगले चार पांच दिन में साझा बयान तैयार हो जाएगा और उसकी घोषणा हो जाएगी। इसके बाद एक हफ्ते में भारत पर लगा टैरिफ कम होगा और मार्च के मध्य में 'पहला ट्रांच' यानी समझौते के पहले हिस्से की घोषणा होगी। ऐसे में क्या यह उचित नहीं होता कि जब साझा बयान तैयार हो जाए तभी एक साथ उसकी घोषणा होती? पीयूष गोयल ने कहा है कि साझा बयान पर दस्तखत वर्चुअल तरीके से हो सकता है। जब ऐसा ही होना है तब तो यह और भी अच्छी स्थिति थी कि इंतजार किया जाता और एक साथ समझौते की घोषणा होती!

लेकिन आनन फानन में दो फरवरी की रात को सवा नौ बजे के करीब भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात हुई है। उन्होंने लोगों को जुड़े रहने को भी कहा। इसके थोड़ी देर के बाद रात 10 बजे के करीब राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लंबी पोस्ट लिख कर कहा कि भारत के साथ समझौता हो गया। इसके एक घंटे बाद रात 11 बज कर दो मिनट पर प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी पुष्टि की। ध्यान रहे सोमवार को दिन में राहुल गांधी संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब का अंश लेकर संसद में पहुंचे थे और अपने भाषण में इसे उठाने का प्रयास किया था।

हालांकि उनको बोलने नहीं दिया गया लेकिन सबको पता चल गया कि 31 अगस्त 2020 की रात को क्या हुआ था। कैसे भारत के राजनीतिक नेतृत्व ने सेना और सेना प्रमुख को उनके हाल पर छोड़ दिया था। उसी दिन रात में समझौते की खबर आई। लेकिन राहुल गांधी पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। वे अगले दिन किताब लेकर संसद में पहुंचे और यह भी कहा कि 'प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हैं'। राहुल ने कहा कि अमेरिका ने एपस्टीन फाइल्स की बहुत सी बातें अभी सार्वजनिक नहीं कीं। उनके मुताबिक एपस्टीन फाइल्स और अडानी के ऊपर मुकदमे की वजह से प्रधानमंत्री दबाव में हैं और इस वजह से समझौता हुआ है।

पता नहीं हकीकत क्या है लेकिन सरकार की हड़बड़ी और टाइमिंग पर निश्चित रूप से सवाल खड़े होते हैं। हड़बड़ी की बात इसलिए है क्योंकि समझौते की घोषणा के चार दिन बाद तक किसी को पता नहीं है कि इसमें क्या है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में भी बता दिया है कि समझौता हो गया है और इसमें किसानों, पशुपालकों सहित देश के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखा गया है। किसी के हित से समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका के दौर पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उनको समझौते के बारे में खास जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बारे में वाणिज्य मंत्री जान रहे होंगे। हालांकि उनके अमेरिका दौरे पर व्यापार समझौते से जोड़ कर ही देखा जा रहा है।

समझौते के अगले दिन से भारत की मीडिया में यह खबर चलती रही कि जयशंकर अमेरिका गए हैं, जहां वे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से समझौते को लेकर बातचीत करेंगे। हालांकि समझौते की बातचीत में विदेश मंत्री शामिल नहीं थे इसलिए यह कहना पूरी तरह से सही नहीं था कि वे व्यापार संधि के बारे में बात करेंगे। फिर भी मीडिया में खबर चलती रही और सरकार की ओर से किसी ने इस पर पक्ष नहीं रखा। तभी लोगों ने इस पर यकीन किया।

( यह लेखक के अपने विचार है )

## चुप रहने का उचित समय

निर्मल असो

ये जो बेरोजगारी है, यह दरअसल उचित काम न मिलने की वजह है। वैसे कोई भी काम आज तक उचित हुआ नहीं। उचित की तलाश आजकल अमरीकी राष्ट्रपति कर रहे हैं, इसलिए उनका किया-कराया अनुचित लगता है। हैरानी यह कि हम जिसे उचित खुराक मानकर खाना चाहते हैं, उसे बाबा रामदेव अनुचित कह देते हैं। दिक्कत यह भी कि उचित पढ़ाई की तलाश में डिग्री अनुचित और उचित नौकरी के लिए पढ़ाई ही अनुचित हो जाती है। आजकल तो संसदीय बहस में विपक्ष भी अनुचित हो चुका है। जो पहनना चाहता है, उसे बीवी अनुचित, जो खांसना चाहता है, उसे डाक्टर अनुचित मान लेता है। जो दलील देना चाहता है, उसे कानून अनुचित और जो उपदेश देता है, वो गुरु अनुचित लगता है। अपने खेत में ही किसान अच्छी फसल उगा कर भी अनुचित हो रहा था। उसे आज तक पता नहीं चला कि अच्छे बीज उगाकर भी उसकी मेहनत अनुचित कैसे हो रही है। उदास किसान ने देखा खेत में चिंटियों का झुंड अपने लिए उचित स्थान की तलाश में आगे बढ़ रहा था। चींटियों में न नेतृत्व था और न ही नेता, लेकिन उन्हें सूचना थी कि इनसानों से बेहतर साबित होना है, तो 'उचित समय पर उचित निर्णय लें।' हम इनसान भिन्न हैं। हमें कोई इजाजत ही नहीं देता कि 'जो उचित लगे सो करें।' चींटियां उचित फैसला लेते हुए रास्ता बदलती हैं और जहां उचित लगता, अपना ठौर बना लेतीं। हम लोगों को फैसला लेने के बाद पता चलता है कि यह अनुचित है। जहां रहते हैं, वे घर, गली और कस्बे अनुचित हैं। जिन्हें चुना वे जनप्रतिनिधि अनुचित हैं, यह वोट देने के बाद ही पता चलता है। झुंड में चिंटियां अलग-अलग प्रदेशों की थीं। कुछ बहुत चतुर और कुछ बेहद सुस्त। कुछ काली, कुछ गोरी। कोई मोटी, कोई ठिगनी। दिल्ली होकर आईं चींटियां कतार तोड़ने में माहिर थीं। बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों से आईं बहुत ही मिलनसार थीं, लेकिन संसद की जमीन माप चुकीं, अहंकारी और मक्कार थीं। रूठी हुईं और फूली हुईं मीडिया घरानों के चौके-चूल्हे से लौटीं चींटियां बिना कुछ कहे ही काट रही थीं।

आश्चर्य यह कि इन्होंने खनक पैदा करने के लिए चूड़ियां पहन रखी थीं। ये बिना दांतों की थीं, लेकिन चबाने की एक्टिंग में माहिर थीं। बहुत कुछ निगल रही थीं। चींटियों की अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस थी, इसलिए वहां हर देश से, यहां तक कि पाकिस्तान और चीन की पहुंच रही थीं। भारतीय चींटी ने देखा कि पाकिस्तानी चींटी की पीठ पर चीनी और अमरीकी चींटियां सवार थीं। भारतीय हैरानी पर पाकिस्तानी बोलीं, 'हम फिलहाल ठीक हैं पीठ पर उठा सकती हैं। हमारे लिए यहीं उचित है कि ये रूसी-अमरीकी चींटियां उचित समय पर उतर जाएंगी, तो हम भी जो उचित लगेगा, कर लेंगी।' पाकिस्तानी चींटी की बात भारतीय को समझ नहीं आई। उसे लगा कि 'जो उचित लगे करो' का सिद्धांत इकतरफा है। भारतीय पहल पर नया सिद्धांत खोजा जाने लगा। चींटियां सुविधानुसार नए प्रस्ताव दे रही थीं। मसलन, कुछ मत करो, चुप रहो। इतने में वहां अमरीकी चींटी ने आगे आकर भारतीय को सुझाव दिया, 'तू तो उचित समय का इंतजार कर। तेरे ऐसा सोचना ही उचित है कि 'हो जाएगा।'

# दुनिया के एआई नक्शे पर चमका भारत

**डा. जयंती लाल भंडारी**

हाल ही में नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित इंडिया ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ( एआई ) इम्पैक्ट समिट-2026 से भारत की मुट्ठियों में जो तकनीकी और रणनीतिक मोर्चों पर बड़ी उपलब्धियां आई हैं, उनसे दुनिया के एआई नक्शे पर भारत चमकते हुए दिखाई दे रहा है। यह समिट दो महत्वपूर्ण उद्देश्यों में सफल रहा है। एक, भारत को दुनिया में एआई के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करना और दो, एआई को एक ऐसे भविष्य की ओर आगे बढ़ाना, जहां एआई मानवता व समावेशी विकास को बढ़ावा दे और हमारी साझा धरती की रक्षा करे। गौरतलब है कि समिट के समापन पर व्यापक आम सहमति के दिल्ली घोषणा पत्र में मानव केंद्रित एआई की वकालत की गई है। ग्लोबल साउथ में आयोजित दुनिया के पहले सबसे बड़े इस ऐतिहासिक एआई इम्पैक्ट समिट में दुनिया के 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष सहित 118 देशों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल, सभी प्रमुख डिजिटल कंपनियों के सीईओ और करीब 35 हजार से अधिक एआई एक्सपर्ट्स 550 से अधिक सत्रों में शामिल हुए। साथ ही इस समिट में 5 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। खास बात यह भी है कि इस समिट के तहत भारत ने एआई के जिम्मेदार उपयोग को लेकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। इंडिया एआई मिशन के एआई रिस्पॉन्सिबिलिटी कैंपेन में सिर्फ 24 घंटे के अंदर ढाई लाख से ज्यादा लोगों ने शपथ ली।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 फरवरी को औपचारिक रूप से एआई इम्पैक्ट समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि अब प्रौद्योगिकी को सर्वसुलभ बनाया जाना चाहिए, जिससे यह खास तौर पर ग्लोबल साउथ में समावेश और सशक्तीकरण का माध्यम बन सके। उन्होंने भारत की विविधता और जनसांख्यिकी पर जोर देते हुए कहा कि भारत में सफल होने वाला कोई भी एआई मॉडल दुनिया भर में इस्तेमाल किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के लिए 'मानव' ( एमएएनएवी ) दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। ऐसा मानवीय दृष्टिकोण पूरी दुनिया की जवाबदेही है। मोदी ने कहा कि आज दुनिया में दो तरह के लोग हैं- एक वे जो एआई में डर देखते हैं और दूसरे वे जो एआई में समृद्धि देखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं गर्व और जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि हमें इसमें डर नहीं दिखता। भारत एआई में समृद्धि देखता है, भारत एआई में भविष्य देखता है। इस मौके पर टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि एआई आने वाले समय की सबसे बड़ी बुनियादी व्यवस्था बनने जा रही है। जैसे पहले स्टीम इंजन, बिजली और इंटरनेट ने दुनिया को बदला, उसी तरह एआई भी अर्थव्यवस्था और समाज पर गहरा असर डालेगा। एआई इंटेलिजेंस का इन्फ्रास्ट्रक्चर भविष्य की दिशा तय करेगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में दुनिया ने भारत का लोहा माना है। चाहे फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों हों या अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, चाहे गूगल डीप माइंड के सह संस्थापक डेमिस हसाबिस हों या फिर ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक हों, इस समिट में दुनिया भर के सभी दिग्गज नेताओं और तकनीकी विशेषज्ञों ने भारत के एआई क्षेत्र में बढ़ते कदमों की तारीफ की है। यह बार-बार कहा गया कि एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में जो कुछ हुआ, उसने साफ कर दिया कि यह केवल एक ग्लोबल इवेंट नहीं, बल्कि भारत की टेक्नोलॉजी सॉवरेनिटी का वैश्विक शंखनाद है, जिसकी गूंज दुनिया के कोने-कोने में सुनाई दी है। निश्चित रूप से इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट दुनिया के साथ-साथ भारत के लिए उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा है।

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों और भारत के बड़े इंडस्ट्री ग्रुप्स ने 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की घोषणाएं कर यह संकेत दे दिया है कि आने वाला दशक भारत के लिए एआई बुनियादी ढांचे की ऊंचाई का दशक हो सकता है। समिट के दौरान हुए समझौतों ने यह दिखाया कि भारत सिर्फ एआई तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसका बड़ा उत्पादक और निर्यातक बनने की तैयारी में है। देश के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक रिलायंस इंडस्ट्रीज और उसकी टेलीकॉम इकाई जियो ने एआई और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश किया है। ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने घोषणा की कि अगले सात वर्षों में करीब 109.8 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। अडानी समूह ने भी एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 100 अरब डॉलर निवेश की योजना पेश की है। यह निवेश 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित एआई डेटा सेंटर स्थापित करने पर केंद्रित होगा। वैश्विक टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने घोषणा की है कि वह इस दशक के अंत तक 'ग्लोबल साउथ' के देशों में एआई विस्तार के लिए 50 अरब डॉलर तक निवेश करेगा। कंपनी पिछले वर्ष भारत में 17.5 अरब डॉलर के एआई निवेश का ऐलान कर चुकी है। भारतीय डेटा सेंटर कंपनी योट्टा डेटा सर्विसेज ने एशिया के सबसे बड़े एआई कंप्यूटिंग हब में दो अरब डॉलर लागत वाले एक प्रोजेक्ट को विकसित करने का ऐलान किया है। इसी क्रम में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने चैटजीपीटी की मूल कंपनी ओपनएआई को अपने डेटा सेंटर डिविजन का पहला ग्राहक बनाया है। यह साझेदारी वैश्विक एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पहल 'स्टारगेट' के तहत हुई है, जो भारत को एआई सेवा निर्यात के नए अवसर दे सकती है। यह भी महत्वपूर्ण है कि एआई इम्पैक्ट समिट के मौके पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में भारत पैक्स सिलिका डिक्लेरेशन का 12वां हस्ताक्षरकर्ता बन गया, जिसमें अमेरिका के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, इजरायल और नीदरलैंड भी शामिल हैं। पैक्स सिलिका को बीते 12 दिसंबर को वाशिंटन में दुर्लभ खनिजों और एआई के लिए सुरक्षित, लचीली और नवाचार आधारित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए लॉन्च किया गया था। नि:संदेह इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता के बाद अब भारत एआई के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ेगा। वस्तुत: भारत में हेल्थकेयर, शिक्षा, कृषि, गवर्नेंस और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर्स में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ेगा। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट ने भारत के लिए एआई के तहत उद्योग-कारोबार व अर्थव्यवस्था की रफ्तार के साथ एआई आधारित रोजगार के नए मौके मुट्ठी में लेने का नया दौर सामने दिखाई दे रहा है। चूंकि भारत का श्रम बाजार ढांचागत बदलाव से गुजर रहा है।

नीति आयोग की रिपोर्टों के तहत भी बड़ी संख्या में पारंपारिक नौकरियां खत्म होने और एआई से जुड़ी नई नौकरियां निर्मित होने की बात कही गई है। ऐसे में देश की नई पीढ़ी को एआई आधारित नौकरियों के बढ़ते अवसरों के बीच एआई पेशेवर के रूप में सुसज्जित किया जाना होगा। नई पीढ़ी को स्कूली शिक्षा के साथ प्रारंभिक स्तर से ही एआई से जोड़े जाने की रणनीति के साथ आगे बढना होगा। उम्मीद करें कि 16 से 21 फरवरी तक आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 ने जिस तरह सफलता का परचम लहराया है, उससे भारत में डेटा सेंटर, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूटिंग क्षमता और पावर सिस्टम में तेजी से निवेश बढ़ेंगे। उम्मीद करें कि अब भारत ग्लोबल साउथ की आवाज बनकर समावेशी और मानव केंद्रित एआई का नेतृत्व करेगा। उम्मीद करें कि भारत में सॉवरेन एआई का उपयोग शहरों की सीमाओं से दूर छोटे-छोटे गांवों तक कृषि और स्वास्थ्य सेवाओं में भी तेजी से बढ़ेगा। इन सबसे जीवन में आसानी होगी, नए रोजगार और विकास की रफ्तार बढ़ेगी। साथ ही यह समिट भारत को विकसित भारत बनाने की राह पर तेजी से आगे बढ़ाएगा। भारत का भविष्य उज्ज्वल है।

( यह लेखक के अपने विचार है )

## कराची में सिलेंडर ब्लास्ट के बाद ढही तीन मंजिला इमारत, 16 लोगों की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

करांची, 23 फरवरी [ एजेंसी ]। करांची के सोल्जर बाजार इलाके में बड़ा हादसा हो गया। यहां एक रिहायशी बिल्डिंग में सिलेंडर ब्लास्ट की वजह तीन मंजिला ईमारत ढह गई। जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 14 घायल हो गए। घायलों को सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट डॉन के मुताबिक,स्क्कजमशेद अशर ने बताया कि घटना सुबह करीब 4.15 बजे सेहरी के समय हुई। जब बिल्डिंग की पहली मंजिल पर सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। रेस्क्यू टीम के एक अधिकारी के मुताबिक सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, जिसमें एक अर्बन सर्च और रेस्क्यू टीम और एक डिजास्टर रिस्पॉन्स गाड़ी मौके पर मौजूद है। रेस्क्यू 1122 के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डॉ. आबिद जलालुद्दीन शेख ने भी कन्फर्म किया कि सिलेंडर ब्लास्ट की वजह से ईमारत गिरी। उन्होंने बताया कि जगह कम होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन मुश्किल हो गया था।रिपोर्ट्स के मुताबिक जिस बिल्डिंग में हादसा हुआ वह अवैध तरीके से बनाई गई थी। इसका स्ट्रक्कर ठीक से नहीं बना था। बिल्डिंग के गिरने से आस-पास के इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है।इस हादसे में मरने वालों में आठ नाबालिग, चार महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। जिनकी उम्र दो से 60 साल के बीच है। घायलों में सात नाबालिग शामिल हैं। ष्ट्रूने नोटिस लिया; कुछ समय के लिए पुनर्वास का आदेश दिया गयासिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने घटना पर घटना पर दुख जताया, ष्ट्रू हाउस की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, मलबे में फंसे लोगों को तुरंत बचाने और पीड़ितों को सबसे अच्छी मेडिकल मदद देने का निर्देश दिया।

# अयोध्या में फर्जी एसटीएफ अधिकारी गिरफ्तार कोलकाता के व्यापारी के साथ की थी 4 लाख की ठगी

अयोध्या , 23 फरवरी [ एजेंसी ]। जमीन दिलाने के नाम पर साझेदारों की ओर से ठगे गए कोलकाता के एक व्यापारी को रुपये वापस दिलाने को लेकर फर्जी एसटीएफ अधिकारी ने भी ठग लिया। व्यापारी के शासन और प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत करने के बाद मामले की जांच हुई।

एसपी के आदेश पर पुलिस ने फर्जी एसटीएफ अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए फर्जी अधिकारी का नाम अजय सिंह है, जो सुल्तानपुर जिले के अखंडनगर, अलीपुर उमरी का रहने वाला है। कोलकाता के आर-1021-ए, जोगी वाई निवासी व्यवसायी राकेश जायसवाल, अयोध्या में श्री प्रसादम नामक प्रतिष्ठान का संचालन करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके साझेदार



सूर्यांश चतुर्वेदी और अनुराग द्विवेदी ने मिलकर जमीन दिलाने के नाम पर उनसे करीब 17 लाख रुपये ठग लिए हैं। इसी रुपये को वापस दिलाने के लिए फर्जी एसटीएफ अधिकारी अजय सिंह ने चार लाख रुपये लिए थे।

उनके साझेदारों ने भी रुपये वापस नहीं किया और अजय सिंह ने भी रुपये हड़प लिया। व्यापारी के साझेदारों में अनुराग की मौत हो चुकी है। कोतवाल अयोध्या पंकज सिंह ने बताया कि फर्जी एसटीएफ अधिकारी बनकर ठगी करने वाले आरोपित अजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।उसके पास से एसटीएफ की फर्जी आईडी भी मिली है। मामले की जांच की जा रही है। अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

## पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले क्क्छ्वक्क को झटका, विधायक विष्णु प्रसाद शर्मा ञ्जरूष्ट में शामिल

कोलकाता, 23 फरवरी [ एजेंसी ]।बंगाल में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उत्तर बंगाल के कर्सियांग से भाजपा विधायक विष्णु प्रसाद शर्मा ने पार्टी छोड़कर गुरुवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया। बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु और महिला व शिशु कल्याण मंत्री डा शशि पांजा की मौजूदगी में कोलकाता में तृणमूल भवन में उन्होंने पार्टी का थामा झंडा। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर पहली बार विधायक निर्वाचित होने वाले शर्मा काफी समय से पार्टी से नाराज चल रहे थे। दार्जिलिंग के भाजपा सांसद राजू बिष्ट के खिलाफ 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव तक लड़ा था।राजू बिष्ट को बाहरी बताकर वे लगातार उनका विरोध कर रहे थे। लोकसभा चुनाव में शर्मा की जमानत तक जब्त हो गई थी। शर्मा अलग गोरखालैंड राज्य की भी लगातार मांग करते रहे हैं। शर्मा ने बार-बार अलग गोरखालैंड राज्य की मांग का समर्थन किया था और तर्क दिया था कि दार्जिलिंग हिल्स पर ध्यान देने और विकास की



जरूरत है। उन्होंने बार-बार बीजेपी से नाराजगी जताई थी और दावा किया था कि क्षेत्रीय उम्मीदों को पूरा करने के आश्वासन के बावजूद पार्टी जमीन पर काम करने में नाकाम रही है। विधानसभा में बीजेपी के चीफ व्हिप, शंकर घोष ने कहा कि शर्मा का अपने चुनाव क्षेत्र में कोई सपोर्ट बेस नहीं है और वह लंबे समय से पार्टी के संपर्क में नहीं थे।294 सदस्यों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव अगले दो महीनों में होने की उम्मीद है और मौजूदा सदन का कार्यकाल मई में खत्म हो रहा है।

## रिश्तों की मर्यादा तार-तार: अलीगढ़ में गहने और कैश लेकर भांजे के साथ फरार हो गई मामी, 9 लोगों पर केस दर्ज

अलीगढ़ 23 फरवरी। पाली मुकीमपुर थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को भांजे के साथ ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी पत्नी 25 जनवरी 2026 को मायके से लौट रही थी, तभी थाना पालीमुकीमपुर के नागर निवासी उनके भांजे विक्रम उन्हें बहला-फुसलाकर ले गया। पत्नी के पास सोने के आभूषण, एक लाख रुपये नकद और अन्य सामान थे, जो उनके बेटे की सगाई के लिए थे। व्यक्ति ने आरोप लगाया कि विक्रम ने लूट की नीयत से यह कदम उठाया। जब उन्होंने विक्रम के घर जाकर पूछताछ की, तो विक्रम के परिवार के सदस्यों ने उन्हें धमकाया और कहा कि पत्नी को ले जाने का निर्णय उनके कहने पर लिया गया था। व्यक्ति ने थाना पालीमुकीमपुर में पत्नी के अपहरण, लूट और धमकी के आरोप में कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने नौ लोगों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक महिला की बरामदगी या आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

## पिस्तौल दिखाकर नकाबपोश बदमाशों ने कारोबारी दंपती से लूटे लाखों रुपए के गहने, वारदात ष्टष्टञ्जङ्क में कैद

लुधियाना, 23 फरवरी [ एजेंसी ]। शहर में लूटपाट की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला 17 फरवरी को देर रात सुंदर नगर मेन रोड पर सामने आया, जहां बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने महज 30 सेकेंड में कारोबारी दंपती से लाखों रुपये के सोने के गहने लूट लिए।मंदिर से घर लौट रहे दंपती को हथियारों के बल पर बदमाशों ने निशाना बनाया। यह पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और कारोबारियों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। सुंदर नगर निवासी पीड़ित नवरत्न ने बताया सुंदर नगर मेन रोड पर उनकी होजरी की दुकान है।17 फरवरी की रात करीब 10.15 बजे वह



पत्नी के साथ मंदिर से एक्टिवा पर घर लौट रहे थे। इसी दौरान काले रंग की बाइक पर सवार तीन युवक पीछे से आए और ओवरटेक कर उनकी एक्टिवा के सामने बाइक खड़ी कर दी। इस दौरान उन्होंने एक्टिवा रोक दी। स्कूटी रोकते ही बदमाश बाइक से नीचे उतरे और उन्हें घेर लिया। आरोपितों में से एक ने पिस्तौल तानकर उन्हें डराया, जबकि दूसरे ने तेजधार हथियार दिखाकर गले और हाथों में पहने सोने के गहने जबरन उतरवा लिए। पीड़ित ने बताया कि विरोध करने पर बदमाशों ने उनके साथ हाथापाई की और जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दी। पूरी वारदात करीब 30 सेकेंड में अंजाम देकर आरोपित फरार हो गए।सूचना मिलते ही थाना दरेसी पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनकी पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। लगातार हो रही लूट की घटनाओं ने शहर में कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है और स्थानीय लोग रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

## बिहार विधानसभा स्पीकर समेत 42 विधायकों को ।ष्ट का नोटिस, चुनावी हलफनामे में गलत जानकारी देने का आरोप

पटना,23 फरवरी [ एजेंसी ]। बिहार की राजनीति में बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। क्कुह्लठ्ठड्ड ॥द्बद्द्ध ष्टशह्वह्म्ह्ल ने पक्ष और विपक्ष के 42 विधायकों को नोटिस जारी किया है। इनमें विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार भी शामिल हैं। अदालत ने चुनावी हलफनामे में कथित गलत जानकारी और अनियमितता के आरोपों पर जवाब मांगा है। मामले को गंभीर मानते हुए कोर्ट ने निर्धारित समय में स्पष्टीकरण दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस फैसले से राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हारने वाले प्रत्याशियों ने याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि विजयी उम्मीदवारों ने




नामांकन के दौरान शपथपत्र में तथ्य छिपाए।कुछ मामलों में वोटिंग प्रक्रिया में अनियमितता का भी आरोप लगाया गया है। इन्हीं आरोपों के आधार पर हाईकोर्ट में चुनाव याचिकाएं दायर की गईं। प्रारंभिक सुनवाई के बाद अदालत ने सभी विधायकों को नोटिस जारी किया। अब कोर्ट में दाखिल जवाब और दस्तावेजों के आधार पर आगे की सुनवाई होगी।नोटिस पाने वालों में ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव का नाम भी शामिल है। पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा और विधायक चेतन आनंद को भी जवाब देना होगा। गोह से विधायक अमरेंद्र प्रसाद का नाम भी सूची में है। सूत्रों के अनुसार नोटिस पाने वालों में सत्ता और विपक्ष दोनों खेमों के विधायक शामिल हैं। इससे यह स्पष्ट है कि मामला दलगत राजनीति से परे कानूनी दायरे में है। अगली सुनवाई में इन सभी के जवाबों पर न्यायालय विचार करेगा। हाईकोर्ट की इस कार्रवाई को चुनावी पारदर्शिता के लिहाज से अहम माना जा रहा है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं तो संबंधित विधायकों की सदस्यता पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, अभी मामला विचाराधीन है और अंतिम निर्णय आना बाकी है। विधायकों को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया गया है। इस घटनाक्रम से विधानसभा के भीतर और बाहर राजनीतिक बयानबाजी तेज होने की संभावना है।अब सबकी नजरें अगली सुनवाई और अदालत के रुख पर टिकी हैं।

## महाप्रभु श्रीजगन्नाथ भूमि सुरक्षा हेतु नया उपविभाग गठित, अवैध कब्जों पर होगी अब कड़ी कार्रवाई

भुवनेश्वर,23 फरवरी ( एजेंसी )। महाप्रभु श्रीजगन्नाथ महाप्रभु की भूमि-संपत्तियों की सुरक्षा और पुनरुद्धार के लिए राजस्व विभाग में अलग श्रीजगन्नाथ महाप्रभु भूमि उपविभाग ( लैंड सेल ) बनाया जाएगा।यह निर्देश राजस्व सचिव डॉ. अरविंद पाढ़ी ने उच्चस्तरीय बैठक में दिए। लोकसेवा भवन स्थित राजस्व विभाग के सम्मेलन कक्ष में हुई बैठक में स्पष्ट किया गया कि महाप्रभु की भूमि से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट और उड़ीसा हाईकोर्ट के सभी निर्णयों को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाएगा। सचिव ने कहा कि महाप्रभु के भूमि की रक्षा हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। बैठक में श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रशासन के नाम दर्ज सभी भू-संपत्तियों के खतियान में आवश्यक संशोधन कर लंबित मामलों का त्वरित निपटारा करने पर जोर दिया गया। विशेषकर खुर्दा जिला के विभिन्न तहसीलों तथा राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों के समीप स्थित मंदिर प्रशासन की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की रणनीति पर चर्चा हुई।

निर्णय लिया गया कि हर माह के प्रथम बुधवार को खुर्दा जिलाधिकारी की अध्यक्षता में महाप्रभु की भूमि-सुरक्षा की समीक्षा बैठक होगी। इसके साथ ही भूमि प्रबंधन को मजबूत करने के लिए नवगठित लैंड सेल के माध्यम से राज्य और जिला स्तर पर नियमित निगरानी की जाएगी। बैठक में खुर्दा जिलाधिकारी अमृत ऋतुराज, श्रीमंदिर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी देवव्रत साहू, राजस्व विभाग के भूमि सुधार शाखा के अधिकारी, उपजिलाधिकारी और तहसीलदार उपस्थित रहे। सचिव ने कहा कि महाप्रभु के भूमि की रक्षा हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। बैठक में श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रशासन के नाम दर्ज सभी भू-संपत्तियों के खतियान में आवश्यक संशोधन कर लंबित मामलों का त्वरित निपटारा करने पर जोर दिया गया। विशेषकर खुर्दा जिला के विभिन्न तहसीलों तथा राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों के समीप स्थित मंदिर प्रशासन की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की रणनीति पर चर्चा हुई।

## भारत पर और टैरिफ लगाने का बहाना खोज रहे हैं राष्ट्रपति ट्रंप, यूएस सांसद ने किया बड़ा दावा

न्यूयॉर्क ,23 फरवरी । अमेरिका के राष्ट्पति डोनाल्ड ट्रंप पर भारत के खिलाफ टैरिफ नीति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अमेरिकी सांसद ब्क्रह्डुस्र स्द्धद्दह्लद्धड्डठ्ठ ने आरोप लगाया है कि ट्रंप प्रशासन भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने का बहाना तलाश रहा है और उसे अलग से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने सरकार से अपनी नीति पर पुनर्विचार करने की मांग की है। हाल ही में राष्ट्रपति ष्ठशठ्ठड्डद्यस्र ञ्जह्म्ह्वद्वश्च ने भारत पर लगाए गए टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की थी।

शर्मन ने कहा, राष्ट्पति ट्रंप भारत पर और अधिक टैरिफ लगाने का बहाना खोज रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन इसका कारण रूस से तेल आयात को बता रहा है। उनके अनुसार, हंगरी अपने लगभग 90 प्रतिशत तेल का आयात रूस से करता है और उस पर कोई टैरिफ नहीं लगाया गया है। वहीं रूस के बड़े खरीदार चीन पर भी रूसी तेल खरीदने के कारण कोई विशेष प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, हालांकि अन्य कारणों से उस पर असर पड़ा है। सांसद ने कहा कि भारत रूस से लगभग 21 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, इसके बावजूद उसे ही निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने राष्ट्पति से इस नीति में तत्काल बदलाव की मांग की।

व्यापार आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 21.77 प्रतिशत घटकर 6.6 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। इससे पहले सितंबर, अक्टूबर और दिसंबर में भी निर्यात में गिरावट दर्ज की गई थी, जबकि नवंबर में इसमें 22.61 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में अमेरिका से आयात 23.71 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया।अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लागू किया था। बाद में दोनों देशों के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति बनी, जिसके तहत सात फरवरी से भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क हटा दिया गया और जवाबी शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया।टैरिफ नीति पर आई एक नई रिपोर्ट ने भी सवाल खड़े किए हैं। पहले दावा किया गया था कि आयात शुल्क का बोझ विदेशी कंपनियों और सरकारों पर पड़ेगा, लेकिन ताजा अध्ययन में पाया गया कि इन शुल्कों का लगभग 90 प्रतिशत भार अमेरिकी उपभोक्ताओं और कारोबारियों ने उठाया। यह निष्कर्ष स्नद्गस्त्रद्गह्लड्डद्य ऋद्गह्यद्गह्म्1द्ग क्चड्डठ्ठद्म शद्घ हृद्ग2 ङ्घशह्म्द्म से जुड़े अर्थशास्त्रियों के विश्लेषण में सामने आया है। वहीं ्रञ्जशस्त्रड्ड4 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, छह फरवरी को जारी ञ्जड्ड× स्नशह्वठ्ठस्त्रड्डह्लद्बशठ्ठ के अध्ययन में अनुमान जताया गया है कि 2025 में प्रत्येक अमेरिकी परिवार पर लगभग 1000 डॉलर का अतिरिक्त बोझ पड़ा, जो 2026 में बढ़कर 1300 डॉलर तक पहुंच सकता है।

## युवाओं के असंतोष पर पीएम सुशीला कार्की की कड़ी चेतावनी

काठमांडू,23 फरवरी ( एजेंसी )। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने चेतावनी दी कि युवाओं के असंतोष को नजरअंदाज करने से एक और विद्रोह भड़क सकता है। पिछले साल 12 सितंबर को अंतरिम प्रधानमंत्री बनीं कार्की ने कहा कि कोई भी राष्ट्र युवाओं को नजरअंदाज करके प्रगति नहीं कर सकता है। गुरुवार को काठमांडू में नेपाली सेना के पवेलियन में 76वें लोकतंत्र दिवस समारोह के दौरान कार्की ने कहा कि लोकतंत्र को परिणाम देना चाहिए, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए।

पिछले साल सितंबर में जेन जी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए, जिसने केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को उखाड़ फेंका। कार्की ने कहा, उस आंदोलन ने भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और भेदभाव के अंत की मांग की। इसने अच्छे शासन और समान न्याय की मांग की।उन्होंने कहा, राज्य को इस पर न केवल उदारता से बल्कि विनम्रता और गहरी जिम्मेदारी के साथ प्रतिक्रिया देनी चाहिए।उन्होंने चेतावनी दी कि युवाओं के असंतोष को नजरअंदाज करने से एक और विद्रोह भड़क सकता है। युवाओं में ऊर्जा, परिवर्तन की आकांक्षा और नैतिक क्रोध है।

## असम मतदाता सूची के एसआईआर के लिए याचिका पर विचार से इनकार, सीजेआई बोले- अब कुछ भी शेष नहीं

नई दिल्ली,23 फरवरी ( एजेंसी )। सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें चुनाव आयोग से असम में चुनावी मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन ( एसआईआर ) कराने का निर्देश मांगा गया था। सीजेआइ ने कहा, अब कुछ भी शेष नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ( सीजेआई ) सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्य बागची तथा विपुल एम. पंचोली की पीठ ने गुरुवार को चुनाव आयोग की उस दलील पर ध्यान दिया कि असम में अंतिम मतदाता सूची पहले ही तैयार की जा चुकी है और याचिका अब अप्रासंगिक हो गई है। मृणाल कुमार चौधरी की दायर की गई जनहित याचिका ने चुनाव आयोग के उस निर्णय को चुनौती दी, जिसमें असम में अन्य राज्यों की तुलना में सामान्य विशेष संशोधन करने का निर्णय लिया गया था। कार्यवाही के दौरान याचिकाकर्ता के लिए उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने कहा कि राज्य को मतदाता सूची की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए एक गहन संशोधन की आवश्यकता है। हालांकि, चुनाव आयोग का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एस.नायडू ने पीठ को सूचित किया कि असम के लिए अंतिम मतदाता सूची पहले ही 10 फरवरी को प्रकाशित की जा चुकी है।पीठ ने इस मामले की संवेदनशीलता पर जोर दिया, यह बताते हुए कि वर्तमान विधायी और न्यायिक ढांचे के तहत चुनाव आयोग को मनमाने तरीके से व्यक्तियों को विदेशी घोषित करने का अधिकार नहीं है, क्योंकि ऐसे निर्धारणों के लिए वैधानिक कट-ऑफ तिथियां और विशेष न्यायाधिकरण होते हैं।

## भाजपा सरकारों ने जबरन नौ एआई वीडियो डिलीट कराए कांग्रेस बोली- आवाज को दबाने की कोशिश हो रही

नई दिल्ली,23 फरवरी ( एजेंसी )। कांग्रेस ने गुरुवार को दावा किया कि केंद्र और राज्यों में भाजपा सरकारों ने उसके नौ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ( एआई ) वीडियो जबरन डिलीट करवा दिए। पार्टी ने इसे नियमों का दुरुपयोग और असहमति की आवाज को दबाने की कोशिश बताया है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को असहमति की आवाज को दबाने के बजाय देश के हित में काम करना चाहिए। सरकार या भाजपा की ओर से कांग्रेस के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस की इंटरनेट मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने भारत की एआई क्षमता को दबाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। नरेंद्र मोदी वास्तव में एआई से डरते हैं। उन्होंने दावा किया कि इन एआई वीडियो के कुछ हटाने के आदेश बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे भाजपा -शासित राज्यों में पुलिस द्वारा इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों को भेजे गए, जबकि कुछ सीधे केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के तहत इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से आए।कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को असहमति की आवाज को दबाने के बजाय देश के हित में काम करना चाहिए। सरकार या भाजपा की ओर से कांग्रेस के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस की इंटरनेट है।

# 10 मिनट की डिलीवरी का दबाव...:बिना हेलमेट, रेड सिग्नल जंप, रॉन्ग साइड व तेज रफ्तार दौड़ रहे डिलीवरी बॉय

रायपुर,23 फरवरी (एजेंसी)। सरकार की ओर से 10 मिनट में डिलीवरी के दबाव को लेकर आपत्ति और सख्त संदेश दिए जाने के बाद भी रायपुर की सड़कों पर हालात नहीं बदले हैं। क्विक कॉमर्स कंपनियों की मिनटों में सामान पहुंचाने की होड़ का सीधा असर डिलीवरी पार्टनर्स की ड्राइविंग पर दिख रहा है। तय समय में ऑर्डर पहुंचाने के दबाव में डिलीवरी बॉय बिना हेलमेट, रॉन्ग साइड और तेज रफ्तार में बाइक दौड़ाते हुए कट मारकर डिलीवरी करने को मजबूर हैं।भास्कर की टीम ने (ब्लिंकिट) क्ष्यद्वठ्ठन्नद्वह्ल के एक स्टोर से निकलने वाले दो डिलीवरी बॉय का पीछा किया। स्टोर से निकलते ही दोनों ने ट्रैफिक नियमों की अनदेखी शुरू कर दी। कहीं रॉन्ग साइड बाइक दौड़ाई गई, तो कहीं भीड़भाड़ वाले चौराहों पर बिना रुके कट मारते हुए निकल गए।

मकसद सिर्फ एक था-जितनी जल्दी हो सके सामान ग्राहक तक पहुंचाना। पड़ताल के दौरान यह भी सामने आया कि कई डिलीवरी बॉय हेलमेट नहीं पहने थे। रेड सिग्नल पर रुकने के बजाय वे खाली जगह देखते ही बाइक निकाल लेते हैं।संकरी गलियों से लेकर मुख्य सड़कों तक तेज रफ्तार में बाइक दौड़ाने से राहगीरों और अन्य वाहन चालकों की जान हर पल खतरे में नजर आई। रोक-कार्रवाई और सख्ती की चेतावनी के बाद सभी इंस्टेंट स्टोर वालों ने अपनी कंपनी की टी-शर्ट पहनना भी बंद कर दिया है।

टीम ने 10 से ज्यादा रास्तों पर डिलीवरी बॉय का पीछा कर जानी पूरी हकीकत

रोक फिर भी 8-10 मिनट में डिलीवरी का वादा

रोक के बाद भी कंपनियां एप पर 8-10 मिनट में डिलीवरी का दावा कर रही है। ब्लिंकिट के अलावा अपना मार्ट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसी कंपनियां कहीं 8 मिनट, कहीं 10 मिनट तो कहीं 15 मिनट में ग्रॉसरी आदि सामान डिलीवरी का वादा कर रही हैं। भास्कर ने तीनों संस्थानों से सामान ऑनलाइन मंगवाकर भी देखा। तीनों टाइम से पहले ही पहुंच गई। अगर समय रहते इस पर रोक नहीं लगी, तो 'फास्ट डिलीवरी' की यह रेस किसी बड़े हादसे की वजह बन सकती है।कंपनी का टी-शर्ट नहींदोपहर 12 बजे ब्लिंकिट स्टोर एक्सप्रेस वे से डिलीवरी बॉय ब्लिंकिट में एक थैले में सामान लेकर निकला। पहले ही उसने रॉन्ग साइड ले लिया। इसके बाद पंडरी रोड में भी रॉन्ग साइड जाते हुए वह खालसा स्कूल के पास से होते हुए आगे बढ़ा। उसने न तो कंपनी की टी-शर्ट पहनी थी, ना ही उसने हेलमेट पहना था। कवर्धा सदन-जेल रोड होते हुए वह होटल महिंद्रा पहुंचा। ?उसने सिर्फ 4 मिनट में ही सामान को पहुंचा दिया।कट मारकर निकल गया



दोपहर 12.30 बजे ब्लिंकिट स्टोर एक्सप्रेस से डिलीवरी बॉय सामान लेकर निकला। उसने न तो हेलमेट पहना था, न ही कंपनी की टी-शर्ट पहनी थी। उसने भी रॉन्ग साइड लिया। पंडरी रोड पर दो गाड़ियों के बीच कट मारते हुए स्पीड से निकालते हुए एलआईसी ऑफिस के बगल से सिटी मॉल रोड पहुंचा। रॉन्ग साइड से देवेंद्र नगर में स्पीड से आगे बढ़ा। उसका पीछा करते भास्कर की टीम भी पीछे हो गई। 3 मिनट में वह सेक्टर 5 के मर्लिन जयश्री विहार पहुंचा।

कंपनियों का दबाव या सिस्टम की मजबूरी?

नाम न बताने की शर्त पर डिलीवरी पार्टनर्स ने बताया कि तय समय में ऑर्डर न पहुंचाने पर रेटिंग गिरने और पेनाल्टी का डर रहता है। एप पर ऑर्डर करते ही जो टाइम दिखाया जाता है, उसी टाइम या उससे पहले उन्हें सामान पहुंचाना होता है। यदि टाइम ज्यादा लग जाए तो ग्राहक रेटिंग गिरा देते हैं। उसके बाद कंपनी भी हम पर पेनाल्टी लगाती है। यही वजह है कि हम जोखिम उठाने को मजबूर हैं।

खतरे में डाल रहे जान

हर कोई चाहता है कि उसे घर बैठे ही सारा सामान मिल जाए। इसके चलते इन कंपनियों की संख्या भी बढ़ गई है। लेकिन कंपनियों को अपने स्टाफ के लिए सोचना चाहिए। मिनटों में डिलिवरी के चक्कर में उनके स्टाफ खुद और दूसरों की जान को खतरे में डाल रहे हैं तो यह सही नहीं हैं। प्रतिस्पर्धा में ऐसा नहीं करना चाहिए जिससे किसी के हादसे की आशंका हो। ई-कॉमर्स कंपनियों को सुप्रीम कोर्ट की दी गई गाइडलाइन का पालन करना चाहिए।

## ऑनलाइन रिकॉर्ड में नाम दर्ज नहीं, 75 वर्षीय बुजुर्ग छह ०साल से लगा रहे तहसील के चक्कर, पत्नी है कैंसर पीड़ित

रामानुजगंज,19 फरवरी (आरएनएस)। नगर के वार्ड क्रमांक 12 निवासी 75 वर्षीय गफ्फार खान अपनी 20 डिसमिल जमीन के ऑनलाइन रिकॉर्ड में त्रुटि सुधार के लिए पिछले छह वर्षों से तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ी के कारण वे अपनी ही जमीन का विक्रय नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।मामले के अनुसार, आवेदक मो. हासिम खान पिता खलील खान, निवासी रामानुजगंज, थाना एवं तहसील रामानुजगंज, जिला बलरामपुर ने जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया है कि ग्राम रामानुजगंज स्थित भूमि खसरा नंबर 1173/1464/4, रकबा 0.081 हेक्टेयर भूमि उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की क्रय की गई भूमि है। वर्ष 2006 के नामांतरण पंजी में उनका नाम दर्ज है तथा वे भूमि पर नियमानुसार काबिज कास्त हैं।आवेदक का आरोप है कि उक्त भूमि का नाम आज तक ऑनलाइन बी-1, खसरा एवं नक्शा में दर्ज नहीं किया गया है। इसके कारण उन्हें विभिन्न प्रकरणों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। भूमि को ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए उन्होंने आवेदन भी प्रस्तुत किया है, लेकिन अब तक सुधार नहीं हो सका है।इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 12 निवासी गफ्फार खान का कहना है कि उनकी जमीन ऑनलाइन रिकॉर्ड में दूसरे के नाम दर्ज हो गई है। त्रुटि सुधार के लिए वे पिछले छह वर्षों से राजस्व विभाग के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इस बीच उनकी पत्नी कैंसर से पीड़ित हो गई, जिनके उपचार में अब तक लगभग 10 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं और आगे भी करीब 20 लाख रुपये की आवश्यकता बताई जा रही है।

## अंबिकापुर से दिल्ली तक एलायंस एयर शुरू करेगी फ्लाइट सेवा:मार्च से सप्ताह में दो दिन चलेगी हवाई सेवा, कंपनी ने जारी किया शेड्यूल

सरगुजाछत्तीसगढ़ के अंबिकापुर से दिल्ली के लिए हवाई सेवा मार्च के आखिरी सप्ताह से शुरू होगी। एलायंस एयर मां महामाया एयरपोर्ट से हफ्ते में दो दिन सोमवार और बुधवार को फ्लाइट चलाएगी। यह उड़ान बिलासपुर होते हुए दिल्ली पहुंचेगी।

फिलहाल एलायंस एयर बिलासपुर से दिल्ली के बीच हफ्ते में तीन दिन सेवा दे रही है। करीब दो साल पहले कंपनी के अधिकारी अंबिकापुर आकर एयरपोर्ट की सुविधाओं का जायजा ले चुके थे। एलायंस एयर 72 सीटर्‌झ्रक्रविमान का संचालन करेगी।

अंबिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट से दिसंबर 2024 में हवाई सेवा की शुरुआत हुई थी। उड़ान 4.2 योजना के तहत फ्लाई बिग कंपनी ने मां महामाया



एयरपोर्ट दरिमा से रायपुर और बिलासपुर के लिए 19 सीटर विमान सेवा शुरू की थी।

लेकिन शुरुआती दिनों में अनियमित उड़ान के कारण यह सेवा केवल छह महीने तक ही चल सकी। पिछले छह महीने से अधिक समय से इसका संचालन पूरी तरह बंद है।एलायंस एयर फिलहाल सोमवार और बुधवार को अंबिकापुर-दिल्ली-अंबिकापुर (वाया बिलासपुर) उड़ान संचालित करेगी। फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया गया है।सोमवार को फ्लाइट संख्या 91613 सुबह 7:50 बजे दिल्ली से उड़ान भरकर 10:25 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। बिलासपुर से 10:50 बजे उड़ान भरकर 11:40 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। अंबिकापुर से 12:05 बजे रवाना होकर 14:35 बजे दिल्ली पहुंचेगी।बुधवार को यही फ्लाइट सुबह 7:50 बजे दिल्ली से उड़ान भरकर 10:25 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। अंबिकापुर से 10:50 बजे रवाना होकर 11:40 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। बिलासपुर से 12:05 बजे उड़ान भरकर 14:50 बजे दिल्ली पहुंचेगी।4500 से 6000 रुपए तक हो सकता है किराया2 साल पहले एलायंस एयर ने अंबिकापुर और बिलासपुर एयरपोर्ट का निरीक्षण किया था। फिलहाल कंपनी बिलासपुर से दिल्ली के बच मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को उड़ान संचालित कर रही है। अब सोमवार को भी फ्लाइट जोड़ी जाएगी।फ्लाइट का बेस फेयर 4500 से 6000 रुपए के बीच रहने का अनुमान है। बिलासपुर-दिल्ली मार्ग पर सामान्यतः बेस फेयर 4000 रुपये से अधिक रहता है।सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि एलायंस एयर की हवाई सेवा शुरू होना स्वागतयोग्य कदम है। इंडिगो के साथ भी चर्चा हुई है और दो बार मुख्यमंत्री के साथ बैठक हो चुकी है।इंडिगो रायपुर से अंबिकापुर होते हुए प्रयागराज तक उड़ान शुरू करने की दिशा में प्रयास कर रही है। सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक में भी उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष यह मुद्दा उठाया था।

## पेट्रोल भरते समय बदमाश ने नोजल पाइप में लगाई आग,:रायपुर में बाइक से पंप तक पहुंची लपटें, सिगरेट जलाने से रोकने पर भड़का था

रायपुर,23 फरवरी (एजेंसी)।रायपुर में पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने से मना करने पर नाराज युवक ने नोजल पाइप में लाइटर से आग लगा दी। इससे नोजल पाइप के साथ पेट्रोल भरवा रहे दोस्त की बाइक की टंकी में भी आग भड़क उठी। आग लगते ही बदमाश युवक थोड़ी देर वहीं खड़े होकर देखता रहा। जब आग की लपटें भड़कीं तो भागा। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मामला उरला थाना क्षेत्र का है।

घटना के तुरंत बाद बाइक सवार और पंप कर्मी जान बचाकर वहां से भाग निकले थे। हालांकि समय रहते पंपकर्मी की सूझबूझ से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

उरला पुलिस के अनुसार, बुधवार (18 फरवरी) रात 8 बजे धर्मेंद्र क्षत्री और इमरान पेट्रोल भरवाने के लिए बाइक पर उरला के संगीता फ्यूल्स पेट्रोल पंप पहुंचे थे। इमरान बाइक पर बैठा और धर्मेंद्र पंप के पास खड़ा था।

जैसे ही इमरान ने टंकी खोली, धर्मेंद्र ने मुंह में सिगरेट लगाई और उसे जलाने की कोशिश की। इमरान ने उसे धक्का दिया, तो पेट्रोल भरते समय धर्मेंद्र ने नोजल पाइप में आग लगा दी।धर्मेंद्र की इस हरकत से पंप मशीन, बाइक की




टंकी में आग लग गई। पंप कर्मी ने गाड़ी से पाइप खींचा तो जलता हुआ तेल धर्मेंद्र के ऊपर भी जा गिरा। पंपकर्मी ने आनन-फानन में मेन स्विच से टंकी बंद की और पंप में मौजूद फायर फाइटिंग किट की मदद से आग को तत्काल बुझाया।इस घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पंपकर्मियों ने पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना देकर आरोपियों के खिलाफ लिखित शिकायत दी। पंप के मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है और आगे की कार्रवाई कर रहे है।उरला निरीक्षक रोहित माहेलकर ने आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उरला पुलिस के अनुसार, आरोपियों पर आगजनी और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की कार्रवाई करने की बात उरला निरीक्षक ने की है।दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना उरला में अपराध क्रमांक 53/26 धारा 326(छ), 287, 125 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

## अवैध शराब बिक्री पर कबीरधाम पुलिस की कार्रवाई

कवर्धा,19 फरवरी (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले में सभी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह बघेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी लोहारा कृष्ण कुमार चन्द्रकार के पर्यवेक्षण में अवैध कार्यों एवं नशे के विरुद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इस तारतम्य में थाना प्रभारी सूचना प्राप्त हुई

## पक्षी की बलि देकर स्कूल में तांत्रिक क्रिया, स्टूडेंट्स और पैरेंट्स में दहशत

दुर्ग,23 फरवरी (एजेंसी)।जिले के केलाबाड़ी स्थित प्राथमिक और मिडिल स्कूल परिसर में तंत्र-मंत्र किया गया है। असामाजिक तत्वों ने स्कूल में तोड़फोड़ कर टेबल-कुर्सी में आग भी लगा दी। जिससे बच्चों और शिक्षकों में दहशत का माहौल बन गया है। एक सप्ताह पहले स्कूल के क्लासरूम के बाहर चुनरी, माला और गोबर-मिट्टी से तंत्र-मंत्र जैसे निशान बनाए गए थे। यही नहीं, क्लासरूम के अंदर भी इस तरह के निशान पाए गए। शिक्षकों ने इस मामले की शिकायत पहले भी पुलिस से की थी, लेकिन इसके बावजूद घटनाएं नहीं रुकी। अब प्राथमिक स्कूल में असामाजिक तत्वों ने टेबल-कुर्सियों के साथ महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जला दिया है। इसके अलावा क्लासरूम के पंखे और लाइट तक तोड़ दिए। बिजली के बोर्ड भी क्षतिग्रस्त कर दिए गए हैं। बोर के केबल भी जला दिए। इससे पहले, शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल बोरसी में प्रिंसिपल ऑफिस के ठीक सामने तंत्र-मंत्र कर कोयल की बलि दी गई थी। केलाबाड़ी परिसर में प्राथमिक और मिडिल स्कूल संचालित होता है, जहां पहली से 8वीं तक की कक्षाएं लगती हैं। लेकिन लगातार हो रही घटनाओं के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्कूल आने वाले छोटे बच्चों में डर बना हुआ है। वहीं शिक्षक भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। छात्रों और शिक्षकों के बीच दहशत का माहौल है।

## ट्रांसपोर्टनगर में ट्रक से बैटरी चोरी का खुलासा, 24 घंटे में दो आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़,23 फरवरी (एजेंसी)। ट्रांसपोर्टनगर क्षेत्र में खड़े ट्रक से बैटरी चोरी की घटना का जूटमिल पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो बैटरियां, जिनकी कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई जा रही है, बरामद कर ली हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

मामले में प्रार्थी आनंद अग्रवाल (46 वर्ष), निवासी बैकुंठपुर, थाना कोतवाली रायगढ़ ने 17 फरवरी 2026 को थाना जूटमिल में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनका ट्रक क्रमांक छ्व-04-छ्व-8511 ट्रांसपोर्टिंग कार्य में लगा है। 15 फरवरी की शाम चालक ने ट्रक को छातामुड़ा रोड स्थित मिशनरी ऑफ चैरिटी के सामने खड़ा किया था।अगली सुबह जब चालक ट्रक के पास पहुंचा तो देखा कि बैटरी बॉक्स टूटा हुआ है और उसमें लगी दो बैटरियां गायब हैं। अपने स्तर पर तलाश करने के बाद जब बैटरियां नहीं मिलीं, तो थाना जूटमिल में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफअपराध क्रमांक 55/2026 धारा 303(2) व 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत राव ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। इसी दौरान सूचना मिली कि ट्रांसपोर्टनगर क्षेत्र का रहने वाला ननकी निषाद उर्फचिल्ली चोरी की बैटरी बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ट्रांसपोर्टनगर पुलिस सहायता केंद्र के पास घेराबंदी कर ननकी निषाद उर्फ चिल्ली (38 वर्ष), निवासी सांगीतराई दीपापारा, थाना जूटमिल को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपने साथी मिथलेश महतो (32 वर्ष), निवासी तुरकुमुड़ा संतोषी मंदिर के पास, थाना जूटमिल के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर पुलिस ने मिथलेश महतो के घर से चोरी की गई दो बैटरियां बरामद कर जब्त कर लीं। पुलिस के अनुसार, ननकी निषाद पेशे से ड्राइवर है, जबकि सह-आरोपी मिथलेश महतो के खिलाफथाना जूटमिल में हत्या, आगजनी, आबकारी और आर्म्स एक्ट के मामले पहले से दर्ज हैं। उसके विरुद्ध पूर्व में कई बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

## नाटक देखने गई किशोरी के साथ गैंगरेप, अधमरी हालत में मिली पीड़िता

जशपुर,23 फरवरी (एजेंसी)। जिले में नाटक कार्यक्रम देखकर घर लौट रही 17 साल की नाबालिग से 2 युवकों ने गैंगरेप किया है। उसके बाद गला घोंटकर उसे अधमरी हालत में जंगल में फेंक दिया। देर रात राहगीरों ने उसे जंगल किनारे बेहोश पड़ा देखा, तो अस्पताल में भर्ती करवाया। बेहतर इलाज के लिए पीड़िता को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। मामला बागबहार थाना इलाके का है। जानकारी के मुताबिक, 16 फरवरी की रात नाबालिग नाटक देखकर पैदल घर वापस जा रही थी। इसी दौरान 2 युवक उसे घर पहुंचा देंगे कहकर अपनी बाइक पर बैठा लिया। उसे जबरजस्ती जंगल की तरफले गए, जहां दोनों युवकों ने बारी-बारी से जबरन दुष्कर्म किया। यह बात पीड़िता ने अपनी मां को बताई है। घर नहीं लौटने पर पीड़िता के परिजन और रिश्तेदार उसकी खोजबीन कर रहे थे। इस बीच 17 फरवरी की रात बिजली सब स्टेशन रोड के पास नाबालिग बेहोशी की हालत में पड़ी थी। ग्रामीणों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। शुरुआती जांच के बाद स्वास्थ्यकर्मियों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सिविल अस्पताल पत्थलगांव रेफर किया। बेहतर इलाज के लिए पीड़िता को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

# अवैध शराब बिक्री पर करारा कबीरधाम पुलिस की लगातार कार्रवाई

**थाना सिंघनपुरी जंगल द्वारा अवैध शराब परिवहन करते दो आरोपियों को पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से 61 पौवा अवैध शराब एवं एक मोटर सायकल जप्त की गई।**

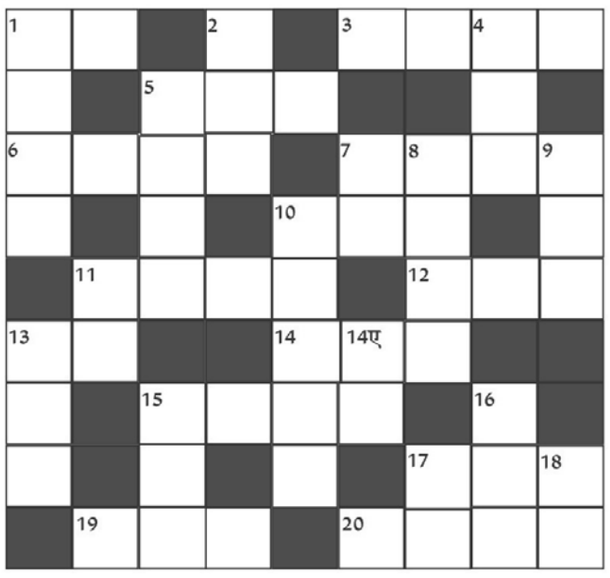

कवर्धा,23 फरवरी (एजेंसी)। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले में सभी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह बघेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी संजय ध्रुव के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी राजेश चंद के नेतृत्व में दिनांक 18.02.2026 को थाना सिंघनपुरी जंगल के सउनि विरेंद्र मिश्रा मय स्टाफएवं शासकीय वाहन के देहात पेट्रोलिंग पर रवाना थे।पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति काले रंग की मोटर सायकल स्प्लेंडर प्लस में एक प्लास्टिक बोरी में अवैध शराब रखकर पैलीमैटा से सिंघनपुरी की ओर जा रहे हैं। सूचना की तस्दीक हेतु पुलिस टीम द्वारा सिंघनपुरी बाजार स्थल के पास दो गवाहों को तलब कर साथ लिया गया तथा खोलवा सिंघनपुरी तिराहा अटल चौक सिंघनपुरी में नाकाबंदी की गई।नाकाबंदी के दौरान पवनतरा की ओर से सिंघनपुरी की तरफआ रही काले रंग की मोटर सायकल स्प्लेंडर प्लस को रोककर पूछताछ की गई। मोटर सायकल में सवार दोनों व्यक्तियों ने अपना नाम ओमप्रकाश जंघेल पिता झाडू राम जंघेल उम्र 23 वर्ष एवं युवराज नेताम पिता बिसरू नेताम उम्र 19 वर्ष 09 माह दोनों निवासी थाना सिंघनपुरी जंगल जिला कबीरधाम (छ.ग.) बताया। मोटर सायकल में रखी प्लास्टिक बोरी की तलाशी लेने पर 59 नग पौवा शोले देशी प्लेन मदिरा एवं 02 नग गोल्डन गोवा सुपिरियर व्हिस्की कुल 61 पौवा शराब, प्रत्येक शीशी 180 एमएल भरी हुई शीलबंद अवस्था में पाई गई।पूछताछ पर आरोपियों द्वारा उक्त शराब को बिक्री करने हेतु परिवहन करना बताया गया।

शराब के संबंध में वैध दस्तावेज मांगने पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किए गए। आरोपियों का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट के अंतर्गत अपराध पाए जाने से मौके पर विधिवत कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों को 18.02.2026 को क्रमशः 17:50 बजे एवं 18:00 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को दी गई।मौके से जप्त 61 पौवा अवैध शराब की अनुमानित कीमत करीब 4960/- रुपये एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल स्प्लेंडर प्लस की कीमत करीब 60,000/- रुपये है। जप्त सामग्री सहित दोनों आरोपियों को थाना लाकर अपराध क्रमांक 03/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध किया गया। दोनों आरोपियों को दिनांक 19.02.2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में विवेचना जारी है।

## शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

**ऊपर से नीचे**

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।



### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| खा | म | खां | | | इं | | | |
| स | ह | | ब | र | सा | त | | प |
| | क | हा | नी | | न | क | च | ढ़ा |
| त | | | स्ब | | | ली | | ई |
| क | या | म | त | | क | फ | न | |
| दी | | र्दा | | बा | बू | | ह | वा |
| र | ह | ना | | ल | त | खो | र | |
| | वा | | नौ | क | र | | | सा |
| भा | ई | | का | | | बा | द | ल |

# आखिरी टी20 में रिकॉर्ड्स की बारिश, जेमिमा ने पूरे किए 2500 रन, मंधाना और एलिस पेरी ने रचा इतिहास

एडिलेड ,23 फरवरी ( एजेंसी )। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शनिवार को तीन टी20 मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला एडिलेड में खेला गया। इस मुकाबले में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार रिकॉर्ड्स बनाए। आइये जानते हैं...भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच शनिवार को खेले गए आखिरी टी20 मुकाबले में रिकॉर्ड्स की झमाझम बारिश हुई है। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने एक तरफ अर्धशतकीय पारी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ा रिकॉर्ड कायम कर लिया तो दूसरी तरफ, जेमिमा रोड्रिग्स ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 2500 रन पूरे कर लिए। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज खिलाड़ी एलिस पेरी ने इतिहास रच दिया। वह 350 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा बार टी20 अर्धशतक लगाने का रिकॉर्डइस मैच में स्मृति मंधाना ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होने 55 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के की मदद से 82 रनों की शानदार पारी खेली। इस अर्धशतकीय पारी के साथ मंधाना ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा बार अर्धशतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज बन गईं। यह उनका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आठवां अर्धशतक है। मंधाना ने 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था और तब से 29 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33.07 की औसत और 124.27 के स्ट्राइक रेट से 860 रन बनाए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जेमिमा ने पूरे किए 2500 रन इस मैच में भारतीय टीम की विस्फोटक बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने भी शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इसी के साथ उन्होंने

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2500 रन पूरे कर लिए। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया। इसी के साथ रोड्रिगेज कप्तान कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के बाद महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला बनीं।

### एलिस पेरी ने रचा इतिहास

*इस मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज खिलाड़ी एलिस पेरी ने इतिहास रचा। भारत के खिलाफ शनिवार को एडिलेड में तीसरे टी20 में उतरने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के लिए 350 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। 2007 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का हिस्सा, पेरी से ज्यादा मैच सिर्फ दो महिला क्रिकेटरों ने खेले हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 357 और सूजी बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। पेरी के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली मौजूदा वनडे और टेस्ट कप्तान एलिसा हीली हैं। हीली ने कुल 295 मैच खेले हैं। हीली ने घोषणा की है कि वह अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाले डे-नाइट टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी।*

## एडम जैम्पा टी-20 विश्व कप के इतिहास में दूसरे सर्वाधिक विकेट वाले गेंदबाज बने

नईदिल्ली ,23 फरवरी ( एजेंसी )।टी-20 विश्व कप 2026 के 40वें मैच में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सामने ओमान क्रिकेट टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 104 रन पर ही सिमट गई। ओमान की टीम को ढेर करने में एडम जैम्पा की अहम भूमिका रही। इस अनुभवी लेग स्पिनर ने पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 4 विकेट लिए। वह टी-20 विश्व कप में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। आइए उनकी गेंदबाजी पर एक नजर डालते हैं।जैम्पा ने ओमान की पारी के 8वें ओवर के दौरान गेंदबाजी के लिए आए। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में हम्माद मिर्जा का विकेट चटकाया। इस लेग स्पिनर ने अपने दूसरे ओवर में मोहम्मद नदीम को पवेलियन की राह दिखाई। जैम्पा ने अपने चौथे ओवर की शुरुआती 2 गेंदों में निचले क्रम के शकील अहमद और शफीक जैन को भी आउट किया। उन्होंने 3.2 ओवर में 21 रन देते हुए ये 4 विकेट लिए।जैम्पा अब टी-20 विश्व कप के इतिहास में दूसरे सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने टूर्नामेंट के इतिहास में 25 मैच खेले हैं, जिसमें 13.84 की औसत और 6.52 की इकॉनमी रेट के साथ 44 विकेट लिए हैं। उन्होंने विकेटों के मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान ( 43 ) को पीछे छोड़ा है। बता दें कि टी-20 विश्व कप इतिहास में जैम्पा से ज्यादा विकेट सिर्फ शाकिब अल हसन ( 50 ) ने लिए हैं।

## दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में सर्वाधिक विकेट वाले गेंदबाज हैं अर्शदीप सिंह

नईदिल्ली ,23 फरवरी ( एजेंसी )।भारतीय क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 में अपना अजेय क्रम जारी रखा है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में खेलते हुए भारत ने ग्रुप स्टेज के अपने चारों मैचों में जीत दर्ज की है। अब सुपर-8 में भारतीय टीम का सामना दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम से 22 फरवरी को होगा। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को इस टीम के खिलाफ गेंदबाजी करना पसंद है। आइए उनके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अर्शदीप दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने इस टीम के विरुद्ध 14 मैचों में 18.86 की औसत और 9.04 की इकॉनमी रेट के साथ 23 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20 रन देते हुए 3 विकेट लेना रहा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अर्शदीप के बाद सर्वाधिक विकेट भारत के वरुण चक्रवर्ती ( 22 ), और इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन ( 17 ) ने लिए हैं।टी-20 विश्व कप में अर्शदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 मैच खेले हैं, जिसमें 11.25 की औसत और 5.62 की इकॉनमी रेट के साथ 4 विकेट लिए हैं। उन्होंने टी-20 विश्व कप 2024 के फाइनल में इस टीम के विरुद्ध 2 विकेट लिए थे।अर्शदीप टी-20 विश्व कप में भारत के लिए संयुक्त रूप से दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने 17 मैचों में 14.90 की औसत से 30 विकेट लिए हैं। उनकी इकॉनमी रेट 7.45 है। वह इस मामले में केवल रविचंद्रन अश्विन ( 32 ) से पीछे हैं। जसप्रीत बुमराह के नाम भी इस टूर्नामेंट में 30 ही विकेट हैं। बुमराह ने 21 पारियों में गेंदबाजी की है।अर्शदीप ने साल 2022 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ

अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था। उन्होंने अब तक 79 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 19.20 की औसत और 8.50 की इकॉनमी के साथ 121 विकेट लिए हैं।
इस दौरान उन्होंने 2 बार 4 विकेट हॉल भी झटके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 51/9 का ही रहा है। वह इस प्रारूप में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

## भारत ने 10 साल बाद रचा इतिहास, महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 17 रनों से हराया

नईदिल्ली ,23 फरवरी ( एजेंसी )। भारतीय महिला टीम ने एडिलेड ओवल में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को तीसरे और अंतिम टी20 मैच में 17 रन से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली है. ये कंगारुओं की उसी की धरती पर किसी भी फॉर्मेट में 10 सालों में पहली हार है. इससे पहले भारत ने 2016 में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से क्रिकेट के छोटे फॉर्मेट में मात थी.तीसरे टी20 मैच में भारत की तरफ से स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने शानदार फिफ्टी बनाई, जबकि गेंदबाजी में श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने तीन-तीन विकेट लिए.तीसरे मैच में स्मृति मंधाना ने 55 गेंदों में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 82 रन की शानदार पारी खेली. जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. इसके अलावा जेमिमा रोड्रिग्स ने 46 गेंदों में चार चौकों की मदद से 59 रन बनाए. ऋचा घोष ने भी सात गेंदों में 18 रन बनाए. एनाबेल सदरलैंड ने दो विकेट लिए, जबकि किम गार्थ और सोफी मोलिनक्स ने एक-एक विकेट लिया.

## न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम घोषित, केशव महाराज करेंगे कप्तानी

नईदिल्ली ,23 फरवरी ( एजेंसी )। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को टी-20 विश्व कप 2026 के समापन के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलनी है। 5 मैचों की इस टी-20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम जिसमें केशव महाराज को कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

# व्यापार

## महाराष्ट्र सरकार पुनर्वास के लिए धारावी पुनर्विकास परियोजना को मलाड की 118 एकड़ जमीन सौंपेगी

मुंबई ,23 फरवरी ( एजेंसी )। महाराष्ट्र सरकार मलाड-मालवानी के मुक्तेश्वर में स्थित 118 एकड़ भूमि का कब्जा धारावी पुनर्विकास परियोजना ( डीआरपी ) को सौंपेगी, जिससे स्पेशल परपज व्हीकल ( एसपीवी ) नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड ( एनएमडीपीएल ) पुनर्वास भवनों की योजना और निर्माण शुरू कर सकेगी। नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए महाराष्ट्र सरकार और अदाणी समूह के बीच एक एसीवी है।
इस जगह का उपयोग धारावी के उन निवासियों को आवास प्रदान करने के लिए किया जाएगा जो धारावी में ही पुनर्वास के पात्र नहीं हैं।अधिकारियों ने बताया कि मलाड की यह जमीन, कुर्ला स्थित मदर डेयरी और मुलुंड स्थित जामास सॉल्टपैन की जमीन के बाद, डीआरपी के कब्जे में आने वाली तीसरी बड़ी जमीन है।इस जगह पर मुख्य रूप से ऊपरी मंजिल के निवासी और वे लोग रहेंगे, जो 1 जनवरी, 2011 के बाद और 15 नवंबर, 2022 से पहले धारावी में आकर बसे हैं।परियोजना की शर्तों के अनुसार, इन निवासियों को मुंबई महानगर क्षेत्र ( एमएमआर ) के भीतर आधुनिक, सुनियोजित टाउनशिप में पुनर्स्थापित किया जाएगा।अधिकारी ने बताया कि परियोजना के लिए आवंटित अन्य भूखंडों की तरह, मलाड भूमि का स्वामित्व भी डीआरपी/एसआरए के पास रहेगा, जबकि एसपीवी के पास विकास अधिकार होंगे।
118 एकड़ भूमि का कुल मूल्य लगभग 540 करोड़ रुपए आंका गया है, जिसमें से 135 करोड़ रुपए एनएमडीपीएल द्वारा विकास अधिकारों के प्रीमियम के रूप में पहले ही भुगतान किया जा चुका है।उन्होंने आगे कहा,मुक्तेश्वर में निर्धारित 140 एकड़ भूमि में से 118 एकड़ भूमि अब तक सौंप दी गई है, जबकि 22 एकड़ भूमि अभी भी मुकदमेबाजी के अधीन है। कुल मिलाकर, राज्य ने धारावी पुनर्विकास परियोजना के अंतर्गत उच्च स्तरीय किफायती आवास के लिए एमएमआर के भीतर लगभग 540 एकड़ भूमि आवंटित की है।इसमें कुर्ला की भूमि, कंजूर, भांडुप और मुलुंड में नमक के मैदानों की भूमि और देवनार डंपिंग ग्राउंड के कुछ हिस्से शामिल हैं, ताकि बड़े पैमाने पर पुनर्वास को सुगम बनाया जा सके।आशा है कि भूमि सौंपने से पुनर्वास आवासों के निर्माण में तेजी आएगी और चरणबद्ध पुनर्विकास को गति मिलेगी, ताकि धारावी निवासी सात साल की अवधि के भीतर पात्रता के अनुसार अपने नए घरों में स्थानांतरित हो सकें।
अनुमान है कि लगभग 10 लाख निवासियों के पुनर्वास के लिए लगभग 1.25-1.5 लाख नए घरों का निर्माण किया जाएगा। 118 एकड़ भूमि का कुल मूल्य लगभग 540 करोड़ रुपए आंका गया है, जिसमें से 135 करोड़ रुपए एनएमडीपीएल द्वारा विकास अधिकारों के प्रीमियम किया जा चुका है।

## रेडिको खेतान के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अमर सिन्हा ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली ,23 फरवरी ( एजेंसी )। शराब निर्माता कंपनी रेडिको खेतान के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अमर सिन्हा ने निजी कारणों से अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स में नए मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
सिन्हा इससे पहले बीडीए ( अब एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ) के कार्यकारी निदेशक और सीईओ के रूप में कार्य कर चुके हैं।उन्होंने अपने त्यागपत्र में कहा, निजी कारणों से मैं रेडिको खेतान लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के पद से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं 31 मार्च तक अपने दायित्वों से मुक्त होना चाहता हूं।सिन्हा ने मार्च 2017 में रेडिको खेतान में चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने कहा, इस पद पर सेवा करना और कंपनी की विकास यात्रा में योगदान देना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है। मैं इस अवसर पर अपने कार्यकाल के दौरान बोर्ड और संगठन भर में अपने सहयोगियों के समर्थन, सहयोग और विश्वास के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। पिछले साल मई में रेडिको खेतान ने अपने नवनिर्मित व्हिस्की ब्रांड 'त्रिकाल' को वापस लेने की घोषणा की थी, क्योंकि ब्रांड के नाम और छवि को लेकर गंभीर विरोध का सामना करना पड़ा था, जिसके बारे में कई लोगों का दावा था कि इससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है।कंपनी ने आईएएनएस के साथ साझा किए गए आधिकारिक बयान में कहा था कि वह भारतीय नागरिकों की आवाज का सम्मान करती है और एक जिम्मेदार संगठन के रूप में आंतरिक समीक्षा के बाद ब्रांड को बंद करने का विकल्प चुना है।कंपनी ने कहा, त्रिकाल सिर्फ एक नाम नहीं था।
इसका उद्देश्य भारत की शाश्वत भावना को श्रद्धांजलि देना था और यह भी बताना था कि यह शब्द संस्कृत से आया है और अतीत, वर्तमान और भविष्य को संदर्भित करता है।ब्रांड की नीले रंग की बोतल के लेबल पर बंद आंखों वाले चेहरे का एक सरल रेखाचित्र बना हुआ था और माथे पर एक गोलाकार निशान था,

## शेयर बाजार में भूचाल, निवेशकों के 4 लाख करोड़ डूबे... शाम तक वापसी की आस

मुंबई ,23 फरवरी ( एजेंसी )। वीरवार को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। हालांकि शाम तक उलटफेर संभव है लेकिन एक समय में आज सेंसेक्स करीब 850 अंक नीचे गिर गया वहीं, निफ्टी 50 भी ट्रेड के समय अपने डे लो 25,567.75 पर पहुंच गया। मार्केट की इस बिकवाली में मिड-कैप और स्मॉल-कैप कंपनियों को ज्यादा नुकसान हुआ। निवेशकों के करीब-करीब 4 लाख करोड़ रुपये डूब गए सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, इटरनल, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल और एसबीआई के शेयरों में तेजी आई जबकि क्वालिटी वॉल्स, इंडिगो, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस और अडानी पोर्ट्स के शेयरों में गिरावट रही। शेयर बाजार में खासतौर पर आईटी कंपनियों के शेयरों पर एआई का असर अभी कम होता नजर नहीं आ रहा है। शेयर बाजार में आज की गिरावट के पीछे भू-राजनीतिक तनाव बड़ा कारण है। अमेरिका की ओर से ईरान पर संभावित कार्रवाई की खबरों ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, इटरनल, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल और एसबीआई के शेयरों में तेजी आई जबकि क्वालिटी वॉल्स, इंडिगो, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस और अडानी पोर्ट्स के शेयरों में गिरावट रही। शेयर बाजार में खासतौर पर आईटी कंपनियों के शेयरों पर एआई का असर अभी कम होता नजर नहीं आ रहा है। शेयर बाजार में आज की गिरावट के पीछे भू-राजनीतिक तनाव बड़ा कारण है। अमेरिका की ओर से ईरान पर संभावित कार्रवाई की खबरों ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है।

## माइक्रोसॉफ्ट ग्लोबल साउथ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए निवेश करेगा 50 अरब डॉलर

नई दिल्ली ,23 फरवरी ( एजेंसी )। अमेरिकी दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने बुधवार को ऐलान किया कि वह ग्लोबल साउथ के देशों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ( एआई ) को बढ़ावा देने के लिए इस दशक के अंत तक 50 अरब डॉलर निवेश करेगा।
माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयर और प्रेसिडेंट ब्रैड स्मिथ और माइक्रोसॉफ्ट की वाइस प्रेसिडेंट और चीफ रिस्पॉन्सिबल एआई ऑफिसर नताशा क्रैम्पटन ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि ग्लोबल नॉर्थ में एआई का उपयोग ग्लोबल साउथ की तुलना में लगभग दोगुना है।उन्होंने लिखा,यह खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। यह असमानता न केवल राष्ट्रीय और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को प्रभावित करती है, बल्कि इस बात पर भी असर डालती है कि क्या एआई दुनिया भर में अवसरों और समृद्धि को बढ़ाने के अपने व्यापक वादे को पूरा कर सकता है। स्मिथ ने कहा कि 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' ने इस चुनौती को अपने एजेंडे के केंद्र में रखकर बिल्कुल सही काम किया है।
उन्होंने कहा, एक सदी से भी अधिक समय से, बिजली तक असमान पहुंच ने वैश्विक उत्तर और दक्षिण के बीच बढ़ती आर्थिक खाई को और गहरा कर दिया है। यदि हम तत्काल कार्रवाई नहीं करते हैं, तो एआई की बढ़ती खाई आने वाली सदी में इस असमानता को और बढ़ा देगी।माइक्रोसॉफ्ट ने भारत

में 'एजुकेटर्स के लिए एलिवेट' कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य 2,00,000 से अधिक स्कूलों, व्यावसायिक संस्थानों और उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यरत 20 लाख शिक्षकों की क्षमता को बढ़ाना है।कंपनी ने कहा, हमारा लक्ष्य देश के शिक्षण कार्यबल को एआई-आधारित भविष्य में आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व करने में मदद करना है। यह कार्यक्रम भारत के राष्ट्रीय शिक्षा और कार्यबल प्रशिक्षण प्राधिकरणों के साथ साझेदारी में चलाया जाएगा, जिससे 80 लाख छात्रों के लिए एआई के समान अवसर उपलब्ध होंगे।पिछले वित्तीय वर्ष में ही, माइक्रोसॉफ्ट ने ग्लोबल साउथ को सर्विस देने वाले डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर में 8 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया। इसमें भारत, मैक्सिको और अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, दक्षिणपूर्व एशिया और मध्य पूर्व के देशों में नया इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल है।इसके अलावा, 24 मिलियन की संख्या के साथ, भारतीय डेवलपर समुदाय गिटहब पर दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्रीय समुदाय है, जहां डेवलपर एआई के बारे में सीखते हैं और दुनिया भर के डेवलपर्स के साथ सहयोग करते हैं।
माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, भारतीय समुदाय शीर्ष 30 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला समुदाय है, जिसकी वृद्धि दर 2020 से हर साल 26 प्रतिशत से अधिक रही है और 2025 की चौथी तिमाही तक वार्षिक वृद्धि में 36 प्रतिशत से अधिक का उछाल दर्ज किया गया था।

# दर्रीखार में अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर

**लोगों ने जताया विरोध, क्षेत्र में तनाव की स्थिति रही निर्मित, शासकीय भूमि पर व्यापक पैमाने में किए अतिक्रमण को किया गया कब्जामुक्त**

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दर्रीखार में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण पर संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। नोटिस के बाद भी कब्जा खाली नहीं करने वाले अतिक्रमणकारियों के अवैध कब्जे को ढहाया गया है। नगर निगम, राजस्व अमला और पुलिस बल संयुक्त कार्रवाई में व्यापक पैमाने पर अवैध कब्जा हटाया गया है। कार्रवाई के दौरान बस्तीवासियों का विरोध भी देखने को मिला। विरोध को दरकिनार करते हुए प्रशासन का बुलडोजर अतिक्रमण पर चला है।

बताया जाता है कि दर्रीखार में व्यापक पैमाने पर कुछ लोगों ने शासकीय जमीन पर बेजा कब्जा कर फार्म हाउस सहित अन्य निर्माण कार्य कर लिया है। जिसकी शिकायत भी की गई थी। शिकायत पर प्रशासन ने संज्ञान लिया। राजस्व अभिलेखों की जांच कराई गई। जांच में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करना पाया गया। जिसे लेकर संबंधितों को बेजा कब्जा हटाने प्रशासन ने नोटिस जारी किया। 15 फरवरी तक बेजा कब्जा हटाने नोटिस दिए जाने के बाद भी लोगों ने कब्जा खाली नहीं किया। जिसे लेकर पुनः प्रशासन ने बेजा कब्जा हटाने अंतिम चेतावनी थी। इसके बाद भी बेजा कब्जा नहीं हटाया गया, तो नगर निगम और राजस्व अमला की टीम बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ दर्रीखार पहुंची, जहां प्रशासन ने पोकलेन और बुलडोजर की मदद से कई निर्माणाधीन और पक्के ढांचों को ढहाए जाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कुछ लोगों का विरोध भी सामने आया। उन्होंने कार्रवाई पर भेदभाव का आरोप लगाया। प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें समझाइश दी। बताया जा रहा है कि 135 बेजा कब्जाधारियों को नोटिस थमाया गया है। वहीं 45 बेजा कब्जा पर कार्रवाई करते हुए निर्माण को तोड़ा गया है। अधिकारियों की मानें तो अन्य बेजा कब्जा को भी हटाने की कार्रवाई होगी। हालांकि कार्रवाई के दौरान दर्रीखार में तनाव की स्थिति बनी रही। बड़ी संख्या में तैनात पुलिस की टीम ने मोर्चा संभाले रखा।

# चलती ट्रेलर में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोयला परिवहन के कार्य में लगी एक ट्रेलर में अचानक आग लग गई। ट्रेलर स्टेडियम मार्ग से आकर अशोक वाटिका के सामने से गुजरते हुए सीएसईबी चौक की ओर बढ़ रही थी कि एकाएक आग लग गई। ट्रेलर के इंजन में आग लगते ही चालक ने कूदकर खुद को सुरक्षित किया। देखते ही देखते आग विकराल रूप लेने लगी। वाहन में आग लगी देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर अग्निशमन विभाग के वाहन को बुलाया गया जिसके कर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान सीएसईबी पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी भीमसेन यादव सहित अन्य स्टाफ यहां व्यवस्था बनाने के लिए मौजूद रहे।

बताया जा रहा है कि गतिमान ट्रेलर के इंजन में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी।

# कोरबा-कुसमुंडा मार्ग पर भारी वाहनों में हुई जोरदार भिड़ंत

## केबिन में फंसा चालक, लोगों ने निकाला बाहर

**कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा-कुसमुंडा मार्ग पर दो भारी वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। एक वाहन का चालक केबिन में फंस गया। मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया। मार्ग पर आए दिन हादसे हो रहे हैं।**

कोरबा-कुसमुंडा मार्ग पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां अधूरा ओवर ब्रिज, अधूरा फोर लेन और सड़कों पर पसरा अंधेरा लगातार हादसों की वजह बन रहा है। शनिवार की देर रात कोरबा की ओर से आ रही ट्रेलर अपने सामने चल रही दूसरी ट्रेलर से जा टकराई। हादसे में ट्रेलर का केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें ट्रेलर का चालक फंस गया, स्थानीय लोगों की मदद से मशक्कत के बाद चालक को केबिन से खींचकर बाहर निकाला गया। ट्रेलर चालक के हाथ पैर में गंभीर चोट लगी है। कोरबा-कुसमुंडा मार्ग अंतर्गत इमली छापर चौक पर ओवर ब्रिज निर्माण बीते लगभग एक साल से बंद है। ऐसे में भारी वाहन कोरबा की ओर से आते समय कुसमुंडा इमलीछापर रेल्वे स्टेशन से आगे व्यवसायिक मार्ग पर कच्ची सड़क के लिए मुड़ना पड़ता है, इसी दौरान यहां वाहनों की अक्सर भिंडत होती रहती है। इसके अलावा कोरबा-कुसमुंडा मार्ग पर स्ट्रीट लाइट नहीं होने की वजह से भी हादसे हो रहें हैं। लोगों का कहना है कि प्रसाशन को इस ओर ध्यान देते हुए जल्द से जल्द अधूरे फोर लेन और अधूरे ओवर ब्रिज निर्माण कार्य को शुरू करवाना चाहिए। जिससे लोगों को राहत मिले। गत बुधवार को भी इसी मार्ग में हुए एक हादसे में रिटायर्ड एसईसीएल कर्मी की मौत हो गई थी।

# तीन लाख रूपए कीमती साल की लकड़ी से भरा ट्रक जप्त

## पड़ोसी राज्य ले जाने की थी तैयारी, चालक ट्रक छोड़कर हुआ फरार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले से लकड़ी की तस्करी कर दीगर प्रांत व जिलों में खपाया जा रहा है। इस बात का खुलासा उस वक्त हुआ, जब वन विभाग की टीम ने फिल्मी अंदाज में पीछा कर एमपी पासिंग एक ट्रक को पकड़ लिया। ट्रक में करीब तीन लाख रूपए कीमती साल प्रजाति का 15 नग लट्ठा लोड था। वन अमले को आते देख चालक ट्रक छोड़ फरार हो चुका था। मामले में लकड़ी सहित ट्रक को जप्त कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मामला कटघोरा वनमंडल के पसान वन परिक्षेत्र का है। दरअसल शनिवार की देर रात वनमंडाधिकारी कुमार निशांत को मुखबीर से सूचना मिली कि लैंगा परिसर के ग्राम रामपुर के राजस्व क्षेत्र में काटे गए साल प्रजाति के पेड़ को ट्रक में लोड कर ले जाया जा रहा है। मुखबीर की सूचना मिलते ही वनमंडलाधिकारी हरकत मे आ गए। उन्होंने उप वनमंडाधिकारी कटघोरा संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन तथा पसान रेंजर मनीष सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई के लिए टीम गठित कर दिया। इस टीम में वनपाल ईश्वर दास मानिकपुरी, कौशल प्रसाद द्विवेदी और सुरक्षा श्रमिक भीमसेन को शामिल किया गया। वन विभाग की टीम मौके पर घात लगाकर बैठी थी। इसी दौरान कक्ष क्रमांक ओए 650 के समीप रात करीब 1.40 बजे एक ट्रक पर टीम की नजर पड़ी। वन अमले ने ट्रक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने रफ्तार बढ़ा दी, जिससे वन कर्मियों का संदेह यकीन में बदल गया। उन्होंने ट्रक का पीछा करना शुरू कर दिया। वन विभाग की टीम को पीछा करते देख चालक घबरा गया। वह पकड़े जाने के भय से रामपुर धवलपुर मार्ग मे ट्रक को लावारिस हालत में छोड़ भाग निकला। मौके पर पहुंची टीम ने ट्रक क्रमांक एमपी 17 एचएच 3677 का निरीक्षण किया, तो उसमे साल प्रजाति का लट्ठा लोड मिला। टीम चालक की व्यवस्था कर लकड़ी से भरे ट्रक को परिक्षेत्र कार्यालय ले आई। मामले में साल प्रजाति के 15 नग लट्ठे से भरे ट्रक को जप्त कर लिया है। टीम द्वारा जप्त लकड़ी की तादाद 6.50 घन मीटर है, जिसकी कीमत करीब 3 लाख रूपए आंकी गई है। खास तो यह है कि जप्त लकड़ी में वन विभाग द्वारा लिखा गया आंकड़ा भी दर्ज मिला है। मामले में वन अधिनियम 1927 की धारा 52,55,42(1)(2) व छग परिवहन (वनोपज) की धारा 3,10 के तहत कार्रवाई की गई है। कटघोरा वनमंडल की तरह वनमंडल कोरबा में भी मामला सामने आ चुका है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड भवन निर्माण के लिए 64 पेड़ों की कटाई की गई थी, जिसे ट्रक में लोडकर मध्यप्रदेश भेजा गया था। मामला सामने आने के बाद वन विभाग की टीम हरकत में आई और छोटे वाहनों को पकड़कर जांच पड़ताल शुरू की गई थी। जिससे शहर से भी तार जुडे होने के कयास लगाए जा रहे हैं।

# शराब पार्टी मनाने एक्टिवा को कर दिया पार

## पुलिस ने एक्टिवा को खपाने से पहले तीन दोस्तों को दबोचा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शराब पार्टी मनाने के शौक से तीन दोस्त को सीखचों के पीछे पहुंचा दिया। दरअसल तीनों ने शराब खरीदने के लिए रूपए नही होने पर घर के सामने खड़ी एक्टिवा को ही पार कर दिया। वे चोरी की एक्टिवा को खपा पाते, इससे पहले ही पुलिस ने तीनों को एक्टिवा में घूमते हुए दबोच लिया।

मामला मानिकपुर पुलिस चौकी अंतर्गत पोखरी पारा गायत्री नगर बस्ती की है। यहां पंचराम यादव परिवार सहित निवास करता है। वह अपने एक्टिवा में किसी काम से टीपी नगर आया था, जहां से दोपहर में घर लौटा। वह एक्टिवा को घर के बाहर खड़ी कर खाना खाने चला गया। थोड़ी देर बाद घर से बाहर निकला, तो एक्टिवा गायब मिली। पंचराम ने अपने स्तर पर खोजबीन करने के बाद पुलिस चौकी पहुंचकर शिकायत दर्ज करा दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस चौकी प्रभारी परमेश्वर राठौर ने अपनी टीम के साथ आरोपियों की पतासाजी शुरू कर दी। इसी दौरान चौकी प्रभारी श्री राठौर को सूचना मिली कि पोखरी पारा के ही तीन युवक चोरी की एक्टिवा में घूम रहे हैं। वे एक्टिवा को खपाने ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। मुखबीर की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने तीनों युवक को एक्टिवा में घूमते दबोच लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम पोखरी पारा निवासी सूरज यादव, सुरेंद्र दास व वीरेंद्र दास बताया। इनमें दो सगे भाई निकले। पूछताछ के दौरान पता चला कि तीनों ने शराब पार्टी मनाने की योजना बनाई थी, लेकिन रूपए नही होने के कारण पार्टी मनाने की योजना धरी की धरी रह गई थी। उन्होंने पार्टी मनाने एक्टिवा को ही पार कर दिया। बहरहाल पुलिस ने चोरी गई एक्टिवा को जप्त करते हुए वैधानिक कार्रवाई उपरांत आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

# जहर सेवन कर किशोरी व युवक ने की खुदकुशी

## नाबालिग लगातार उठा रहे हैं आत्मघाती कदम

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में नाबालिगों के द्वारा आत्महत्या की घटना एकाएक बढ़ गई है। एक बार फिर अलग अलग क्षेत्र में रहने वाले किशोरी व युवक की जहरसेवन से मौत हो गई। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया गया था, जहां लगातार प्रयास के बाद भी डॉक्टर उनकी जान नही बचा सके। मामले में अस्पताल पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई पूरी की है।

पहली घटना उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम जुनवानी के बहेराभांठा में जगदीश प्रसाद वैष्णव निवास करता है। वह रोजी मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते आ रहा था। उसकी इकलौती बेटी चित्रलेखा वैष्णव 17 वर्ष ने कक्षा ग्यारहवीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। वह भैसमा के तहसील कार्यालय स्थित लोक सेवा केंद्र में बतौर कम्प्यूटर ऑपरेटर काम करती थी। चित्रलेखा करीब एक माह से काम पर नही जा रही थी। वह घर में रहकर काम में मां का हाथ बंटा रही थी। वह 16 फरवरी की सुबह बस्ती की ओर गई थी, जहां से लौटने के बाद अपने कमरे में जाकर सो गई। इस दौरान जगदीश खाना खा रहा था। उसे अचानक कीटनाशक के दुर्गंध का आभास हुआ। उसने बेटी के कमरे में जाकर देखा तो वह उल्टी कर रही थी। उसकी जहरसेवन के कारण हालत बिगड़ चुकी थी। परिजनों ने किशोरी को आनन फानन इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले आया, जहां करीब सप्ताह भर चले इलाज के बाद किशोरी की मौत हो गई। इसी तरह दूसरी घटना रजगामार पुलिस चौकी क्षेत्र की है। रजगामार बस्ती में जगलाल कंवर निवास करता है। उसने अपने 20 वर्षीय पुत्र मनोरथ कंवर का रिश्ता कहीं तय कर दिया था। वह निर्धारित उम्र में बेटे का विवाह करने तैयारी में जुटा था। इससे पहले ही मनोरथ ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया गया था, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। अस्पताल पुलिस ने दोनों ही मामले में मेमो के आधार पर वैधानिक कार्रवाई पूरी की।

तत्पश्चात पोस्टमार्टम उपरांत मृतकों के शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। जुनवानी के बहेराभांटा में रहने वाली चित्रलेखा वैष्णव की जहरसेवन से मौत को लेकर परिजन पशोपेश में फंस गए हैं। दरअसल परिवार रोजी मजदूरी कर जीविकोपार्जन करता है। परिजनों का कहना है कि उनके घर में कीटनाशक तो दूर किसी भी प्रकार का जहरीला पदार्थ नही था। गांव में ही ऐसे किसी भी पदार्थ की बिक्री नही की जाती। ऐसे में चित्रलेखा को कीटनाशक कहां से मिला। उनके लिए भी समझ से परे है।

# बैल की ठोकर से गिरा खंभा, मलबे में दबकर वृद्धा की मौत

## बाड़ी में घुसे बैल को खदेड़ते समय हुआ हादसा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। घर की बाड़ी मे सूख रहे बटुरा को खाते देख बैल को भगाना वृद्धा के लिए महंगा साबित हुआ। बैल भागते समय ईट गारे से बने खंभे से टकरा गया। बैल की ठोकर लगते ही खंभा भरभराकर गिर गया, जिसके नीचे दबने से वृद्धा घायल हो गई। उसे मलबे के नीचे से बाहर निकाल पाली सीएचसी के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया गया, जहां इलाज के दौरान बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मामले में अस्पताल पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई की है।

घटना पाली थानांतर्गत ग्राम अलगीडांड़ की है। यहां राजेंद्र सिंह कंवर निवास करता है। वह खेती किसानी कर अपने परिवार के अलावा बुजुर्ग मां लछन कुंवर कंवर 70 वर्ष का भी पालन पोषण करता था। उसने बटुरा की खेती की थी। जिसकी फसल लेने के बाद बटुरा को घर की बाड़ी में सुखाया था। प्रतिदिन की तरह शनिवार की दोपहर करीब 3 बजे परिवार के सभी सदस्य अपने अपने काम में व्यस्त थे। उसकी मां लछन कुंवर आंगन में बैठी थी। इसी दौरान उसकी नजर बटुरा को खा रहे बैल पर गई। वह बैल को भगाने बाड़ी में पहुंची। उसे देखते ही बैल सरपट भागने लगा। इस बीच बैल बाड़ी में ईट गारे से बने खंभे से टकरा गया। बैल की ठोकर से खंभा भर भराकर गिर गया। जिसके मलबे के नीचे वृद्धा दब गई। उसकी चीख पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसी तरह वृद्धा को मलबे से बाहर निकाला। उसे इलाज के लिए पाली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दाखिल कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार पश्चात बुजुर्ग महिला को सघन उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान रविवार की सुबह वृद्धा की मौत हो गई। मेमो के आधार पर अस्पताल पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई उपरांत शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

# कभी भी गिर सकता है बिजली पोल

## शिकायत के बाद भी नहीं किया जा रहा सुधार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कुसमुंडा के इमलीछापर चौक के पास बिजली पोल कभी भी गिर सकता है। स्थानीय लोगों ने झुके हुए पोल की शिकायत की, लेकिन अब तक इसे ठीक नहीं किया गया है।

इमलीछापर चौक के पास बिजली का पोल और सर्विस रोड पर एक स्ट्रीट लाइट का पोल गिरने की कगार पर है। इसकी चपेट में आने से बड़ा हादसा हो सकता है। रोड पर हर समय गाड़ियों की आवाजाही रहती है। यहां फाटक बंद होने की वजह से हर समय गाड़ियों की लाइन लगी रहती है। सर्विस रोड से पैदल यात्री काफी संख्या में आते-जाते हैं। बावजूद इसके झुक रहे पोल को बदलने की कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसकी शिकायत बिजली विभाग के कर्मचारियों से की गई है, लेकिन एक महीने बीत जाने के बाद भी इस पर कोई एक्शन होता नहीं दिख रहा है। अधिकारियों की लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों की मांग है कि झुके बिजली के पोल बदले जाएं, ताकि लोग बिना किसी डर के यहां से आवागमन कर सकें। तेज बारिश, आंधी और गाड़ियों की टक्कर लगने से पोल गिर सकते हैं। लोगों की सुरक्षा के लिए इन्हें ठीक करना जरूरी है।

# कुत्तों के हमले में घायल हिरण की मौत

## वन विभाग ने किया अंतिम संस्कार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पाली वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम दमिया में शनिवार को कुत्तों के हमले में गंभीर रूप से घायल हिरण की इलाज के दौरान मौत हो गई। वन विभाग ने रविवार को उसका अंतिम संस्कार किया।

पाली के निकट ग्राम दमिया में शनिवार शाम चारा और पानी की तलाश में गांव के निकट पहुंचे एक हिरण पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था। ग्रामीणों की नजर इस पर पड़ी और उन्होंने किसी तरह हिरण को कुत्तों के चंगुल से बचाया। बुरी तरह से घायल हो चुके हिरण को सुरक्षित कर वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंचे वन विभाग की टीम ने पशु चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती कराया है, लेकिन इलाज के दौरान बेजुबान प्राणी की मौत हो गई। कुछ दिन पूर्व भी रंगोले गांव के निकट ऐसे ही घटित एक घटना में एक और हिरण ने दम तोड़ दिया था। प्रतिवर्ष ग्रीष्म ऋतु के साथ ही पहाड़- जंगल में चारा पानी कम होने के साथ ही हिरण चीतल के झुंड की आमद गांव के करीब होने लगती है और कभी सड़क दुर्घटना में तो कभी कुत्तों के हमलों में कई हिरण चीतल की आकस्मिक मौत हो जाती है। विडंबना है कि इसके बावजूद वन विभाग इन मौतों को रोकने में अब तक असफल साबित हुआ है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623